



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 24, 1976 (माघ 4, 1897)  
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1976 (MAGHA 4, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-III-(1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 14-7-75 का आशिक सशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सम्रा को राष्ट्रपति द्वारा 1-7-75 से 10-8-75 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन III (2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० सगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 27-9-75 से 11-11-75 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-9-75 के अनुक्रम में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दाम सम्रा को राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 1-10-75 से 15-11-75 तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (4)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री 1—426GI/75

एम० एन० सगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (5)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सम्रा को राष्ट्रपति द्वारा 17-11-75 से 2-1-76 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (6)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, इस सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन III (7)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, इस सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (8)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री

शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो उस सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (10)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 17-11-75 से 1-1-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभात नाथ मुखर्जी, अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० स्टे० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड II अधिकारी श्री पी० पी० सिक्का को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11 मितम्बर, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में पूर्णतया तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 4-11-75 के अपराह्न से उसी सेवा के ग्रेड II में, उसी संवर्ग में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा का ग्रेड II) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति 6-12-1975 से 20-1-1976 तक 46 दिन की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर उसी संवर्ग में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री पी० पी० सिक्का यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर है तथा इससे वे केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड I में संविलयन या उस ग्रेड में वरिष्ठता के हकदार नहीं होंगे।

प्रभात नाथ मुखर्जी, अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

भू-वैज्ञानिक परीक्षा, 1976 के नोटिस में संशोधन  
नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 जनवरी 1976

सं० एफ० 5-2-74-ई० I (बी०) 11 अक्टूबर, 1975 को भारत के राजपत्र के भाग III खण्ड I में प्रकाशित भू-वैज्ञानिक परीक्षा, 1976 से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० 5-2-74-ई० I (बी) दिनांक 11 अक्टूबर, 1975 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

नोटिस के पृष्ठ 8638 पर कालम I के पैरा 8 में सबसे नीचे की पंक्ति में “अस्वीकार” शब्द के स्थान पर “स्वीकार” शब्द पढ़ा जाए।

बी० एस० जोली  
अवर सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

मन्त्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ए० 20014/29/75-प्रशा०-1—राजस्थान पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राजस्थान पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री आइदन राम को दिनांक 9-12-1975 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा में अपने पद के कार्य भार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं० ए० 31013/1/75-प्रशा०-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एच० भीष्मपाल, स्थानापन्न सूचना अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 1 जुलाई, 1975 से मूल रूप में सूचना अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 2/49/75-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री ए० के० सन्याल, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई अनुभाग अधिकारी को 18 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में अपना निजी सचिव नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 2/21/75-प्रशासन (i)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री रवीन्द्र नाथ, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक को 16 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2/21/75-प्रशासन (ii) केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री ब्रह्म दत्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक को 18 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 4/5/75-प्रशासन—श्री एस० एन० भल्ला, अनुसन्धान अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने अपनी एयर इण्डिया में प्रतिनियुक्ति पर सतर्कता अधिकारी के पद पर चुने जाने पर 22 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 4/2/75-प्रशासन—श्री एस० डी० पुन्हाणी, अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने भारत पर्यटन विकास निगम, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर सतर्कता अधिकारी के पद के लिए चुने जाने पर 22 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं 2/20/74-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-  
द्वारा श्री जयाकर पी० जोनसन, आई० ए० एस० (ए० पी०  
1958) को 12 दिसम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश  
तक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय  
जाच अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं पी० एफ०/एम०/6-जी—श्री एन० जी० के० मूर्ती,  
तकनीकी परीक्षक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने वार्द्धक्य-वय  
होने पर 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से अपने पद का कार्यभार  
छोड़ दिया।

बी० व्ही० दिग्गे,

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं एफ० 2/33/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित उप अधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर  
मास्टर्स) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमांडेट के पद पर अस्थायी  
रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पद स्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियाँ उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्र० सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्य- भार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्य भार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री मुख्तियार सिंह	सहायक प्रिंसिपल आर० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ० बरवाह।	24-7-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट, 59 बटा० सी० आर० पी० एफ०	2-8-75 (अपराह्न)
2.	श्री एस० राठीर	उप अधीक्षक पु० (क० कमान्डर/क्यू० एम०), 51 बटा०, सी० आर० पी० एफ०	1-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट, 51 बटा० सी० आर० पी० एफ०	1-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सन्त प्रकाश सिंह	सहायक प्रिंसिपल, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री सुन्दर सिंह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमांडर/क्यू० एम०) 34 बटा- लियन सी० आर० पी० एफ०	9-9-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट 46 बटालि- यन, सी० आर० पी० एफ०	22-9-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री गजेन्द्र सिंह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमांडर/क्यू० एम०) 24 बटालियन, सी० आर० पी० एफ०	9-9-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० देवली।	15-9-75 (पूर्वाह्न)
6.	श्री जागीर सिंह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमान्डर/क्यू० एम०) ग्रुप- सेन्टर सी० आर० पी० एफ० रामपुर।	15-10-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट 59 बटा- लियन सी० आर० पी० एफ०	27-10-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री डी० के० खुराना	सहायक प्रिंसिपल सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)

स० 0-11-1033/75 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर ज्येन्द्रा मोहन्ती को तदर्थ रूप में दो दिन के लिए 5-5-75 से 6-5-75 के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको नियुक्त किया।

स० ओ० टू०-28/69-ईस्ट—ले० कर्नल उमराव सिंह के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने प्रिंसिपल, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ० नीमच का कार्यभार 4 दिसम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

स० ई०-38013(3)/6/75-प्रशा० 1—तलचर को स्थानान्तरित होने पर, श्री टी० के० बनर्जी ने दिनांक 24 नवम्बर 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात सन्तन्त्र, राउरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई०-31015 (1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेंट टी० पी० वसु को दिनांक 10 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर इस्पात सन्तन्त्र, दुर्गापुर का स्थानापन्न रूप से कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

स० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेंट बी० दलाई, को दिनांक 8 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, पैरादीप पोर्ट ट्रस्ट का स्थानापन्न रूप से कमांडेंट नियुक्त करते हैं जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय पैरादीप में होगा।

स० ई०-38013(3)/23/75-प्रशा० 1—नई दिल्ली से स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० एम० सन्धू ने दिनांक 7 दिसम्बर 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी विद्युत लि० (भारी विद्युत उपस्कर सन्तन्त्र) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय हरिद्वार में होगा।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

स० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेंट एन० एन० मोहन्ती को दिनांक 8 दिसम्बर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात सन्तन्त्र, राउरकेला, का स्थानापन्न रूप से कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

स० ई०-31015 (1)/1/75-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, बी० जी० थाट्टे को दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास, का स्थानापन्न रूप से कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

स० 11/7/75-ए० डी० I—राष्ट्रपति श्री तीरथ दास को, जो भारत के महापजीकार के कार्यालय में सहायक केन्द्रीय सारणी अधिकारी हैं, उनके कार्यभार सम्भालने की तिथि से 6 महीने की अवधि के लिए या अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, मध्य प्रदेश के उपजनगणना निदेशक के पद पर बिलकुल अस्थायी एवं तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तीरथ दास का मुख्य कार्यालय भोपाल में होगा।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

स० 10/6/75-ए० डी० II—इस कार्यालय की अधिसूचना स० 10/6/75-ए० डी० I दिनांक 26 अगस्त, 1975 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति, भारत के महापजीकार के कार्यालय में उपनिदेशक (आकड़े प्रक्रिया) के पद पर श्री एम० एन० चतुर्वेदी की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 17 नवम्बर, 1975 से 16 फरवरी 1976 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

रामभद्रा चारी,  
भारत के महापजीकार एवं पदेन  
संयुक्त सचिव

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 22 दिसम्बर 1975

फा० स० 7 (36)/—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 7 (36)/3834 दिनांक 24-6-75 के आगे श्री एस० टी० सिरमट को तदर्थ आधार पर 29-2-1976 तक की अवधि के लिए अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन, महा प्रबन्धक।

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० प्रशासन-I/कार्या० आदेश 755/5-5/पदोन्नति/3265—आगे आदेश होने तक महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों



को उनके नाम के समक्ष अंकित तिथियों से ८० 840-1200 के समय वेतनमान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।—

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
1. श्री एल० आर० गुप्ता अनु० अधि०	17-12-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० मित्रा अनु० अधि०	17-12-75 (पूर्वाह्न)

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं  
नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 6244 ए० प्रशासन/130/75—लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं के निम्नलिखित अधिकारी उन के नाम के सामने दी गई तिथि से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

क्रम संख्या	नाम	निवृत्त की तिथि
सर्वश्री		
(1) के० बंछानाथन्	अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी	30-11-75 (अपराह्न)
(2) सी० डी० गुल्लावादी	स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी	5-12-75 (अपराह्न)

गिरिजा ईश्वरन्,  
वरिष्ठ उप-निदेशक,  
लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

रक्षा मन्त्रालय  
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां  
भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा  
कलकता-16, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 54/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री आर० एन० स्वामी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय, महायक महानिदेशक  
आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मन्त्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण सस्था  
जगजीवन नगर, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० एस० आर० सं० पी 8 (25)/67—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (अ) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस

कार्यालय के उत्तरवर्ती संशोधित अधिसूचना सं० पी० 8 (25) 67 दिनांक 30 दिसम्बर 1971 का अधिक्रमण कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति ने अपने दिनांक 26-10-1975 को हुई बैठक में वित्तीय उप-समिति निम्नलिखित सदस्यों को लेकर गठित की :—

अध्यक्ष

1. कोयला खान कल्याण आयुक्त,  
धनबाद  
सदस्य (नियोक्ता)  
(प्रतिनिधि)

2. श्री बी० एल० बडेहरा  
प्रबंध निदेशक,  
केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड  
दरभंगा हाउस, रांची

3. श्री ओ० महीपति,  
निदेशक (कार्मिक),  
बी० सी० सी० लिमिटेड,  
पोस्ट—सरायहेला,  
धनबाद  
(श्रमिक प्रतिनिधि)

4. श्री एस० दास गुप्ता  
5. श्री प्रोवत गोस्वामी

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

आयात और निर्यात नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1076/75-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री जी० एस० ग्रेवाल को अगले आदेशों तक 1-10-1975 (दोपहर पूर्व) से इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

रोमा मजुमदार  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० सी० ई० आर०/2/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० एस० 1/20 दिनांक 22 सितम्बर 1949 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ 8 के बाद निम्नलिखित पैरा-  
ग्राफ जोड़ दिया जाएगा,

अर्थात् :—

“8ए० प्रत्येक विनिर्माता “नियंत्रित लांग क्लाय”, “नियंत्रित  
शटिंग” और “नियंत्रित ड्रिल” बनाते समय उनकी सम्पूर्ण  
लम्बाई में और उनकी कोई भी एक किनार के पास  
ताने में, ब्लीचिंग में न घुलने वाले पक्के रंग के, दो  
रंगीन धागे लगाएगा ।

परन्तु ऐसे रंगीन धागे अनियंत्रित वस्त्र में नहीं लगाए  
जाएंगे ।

टिप्पणी :—उपर्युक्त प्रकार से लगाए जाने वाले रंगीन धागे साधारणतः  
नेप्थाल लाल रंग के होंगे । छपे, रंगे हुए या अन्य रंगीन वस्त्र  
की दशा में ऐसे लगाए जाने वाले धागे किसी भी वैकल्पिक  
भिन्न रंग के हो सकते हैं परन्तु वे स्पष्ट दिखाई पड़ने चाहिए ।

स्पष्टीकरण—“नियंत्रित लांग क्लाय”, “नियंत्रित शटिंग”, और  
“नियंत्रित ड्रिल” इन शब्दों का वही अर्थ होगा जो वस्त्र  
आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक  
2 मई 1968 में इनके लिए दिया गया है ।”

यह अधिसूचना 1 फरवरी 1976 से प्रभावी होगी ।

गौरी शंकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त  
(सं० सी० एल० बी०-1/1/2/71-75)

बम्बई-400020, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(611)—वस्त्र आयुक्त के बम्बई  
स्थित प्रादेशिक कार्यालय के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी  
(नान टेकनीकल) श्री उल्लाल अनन्त चिरोडियन 10-11-1975  
से 29-2-1976 तक निवृत्ति-पूर्व छुट्टी ग्रहण करने के उपरांत  
29 फरवरी, 1976 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो रहे हैं ।

बीरेन्द्र बहादुर वर्मा,  
निदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II  
(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा  
जाए, अर्थात् :—

वर्ग 6 के अन्तर्गत—प्रभाग 2 के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि “कांडेक्स” के पूर्व में “कांडे फ्लेक्स डिटो-  
नेटींग फ्युज” को जोड़ दिया जाए ।

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II  
(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाए,  
अर्थात् :—

वर्ग-2 नायट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

1. प्रविष्टि “नोबेलाईट” के पूर्व में “नेमोनाईट” को जोड़  
दिया जाए ।

इगुब नरसिंह मूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 7843/बी० 2222 (आई० बी० आर०)/19 ए०—  
श्री इन्दुसुर बेकट रेड्डी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय  
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर,  
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०  
रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान, म, अस्थाई क्षमता में,  
आगामी आदेश होने तक, 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से  
नियुक्त किया जाता है ।

सं० 7836/बी० 2339 (बी० जे० एस०)/19 बी०—  
श्री बिमल ज्योति सेन गुप्ता एम० एस सी० को भारतीय भू-  
वैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में वेतन  
नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-  
40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न  
क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न  
से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 7839/बी०/2222 (एस० एस० जी०)/19 ए०—  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-  
विज्ञान) श्री शिवानन्द सेन गुप्ता को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप  
में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-  
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के  
वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक,  
1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 7816/बी०/2339 (ए० एच०)/19 बी०—श्री  
अनवर हाकिम एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
में सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में 650 रु० प्रति माह के वेतन  
पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-  
द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में  
आगामी आदेश होने तक, 9 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त  
किया जाता है ।

सं० 7830/बी०/9/58/सी०/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञा-  
निक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री सी०  
एस० बेंकटेश्वरन् को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक  
भूभौतिकीविद् के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-  
35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200  
रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने  
तक, 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त  
किया जाता है ।

सं० 7809/बी०/2181 (एम० आर० एम० आर०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एस० आर० मुकुन्द राव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 18-4-1975 के अपराह्न से मुक्त किया जाता है जिससे वे भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में अपनी नई नियुक्ति ग्रहण कर सकें।

बी० के० एस० वरदान,  
महा निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग  
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

हवड़ा-711103, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० बी० एस० आई० 66-103-75-इस्टे—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण श्री ए० खान, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय कार्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण [जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, पच्छिम-बंगाल के कार्यालय में भविष्य निधि इन्स्पेक्टर—(श्रेणी-1) में लियन पर थे] की नियुक्ति केन्द्रीय कार्यालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में अवर प्रशासकीय अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में, संशोधित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 में नियमित आधार पर, श्री एम० एल० मुखर्जी, अवर प्रशासकीय अधिकारी (स्थानापन्न रूप में प्रशासकीय अधिकारी पद पर नियुक्त और अभी सेवा निवृत्त होने के पहले छुट्टी पर) के रिक्त स्थान पर दिनांक 30 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से पुनः आदेश होने तक करते हैं।

डी० जी० मुखर्जी,  
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 4 (103)/75 एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा डा० मुनिल कुमार सत्पथी को 1 दिसम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, मम्बलपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 5(69)/61-एम० एक—श्री जे० रामकृष्णन्, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद निवर्तन आयु पर पहुंचने पर तारीख 30 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 5(108)/67-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री गोहन लाल, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, जालंधर को 14 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (130)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती शेरिंग अंगमो को 22 अक्तूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, लेह में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० 4(61)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री भुवन पति शर्मा को 17 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जेजियो कश्मीर, जम्मू में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार पिन्हा,  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय  
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 20/पी० एफ०/48-सी०व्बन्डी-1—प्रमुख निर्माता ने, श्री एस० ए० राव, स्थायी समाचार चित्र अधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 10-12-1975 के पूर्वाह्न से मूल नियमा 56(i) (ii) के अनुसार सेवा निवृत्त किया।

के० एस० कुडव,  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 9-38/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० विष्णु सक्सेना को 24 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास, में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० 9-40/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) अमर वीर को 15 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल,  
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 16-39/74-भंडार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्य विभाग), बम्बई के कार्यालय के लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) श्री एम० आर० भावे को 16 अक्तूबर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक

चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, बम्बई, में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सगत मिह,  
उप निदेशक, प्रशामन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० फा० 4-5 (62)/75-प्रशा-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० के० शास्त्री को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन बम्बई में दिनांक 10 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी वर्ग III, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० फा० 4-6 (99)/75-प्रशा-1—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मधुकर सरोजहल्वा कोस्टा को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन गोहाटी में दिनांक 10 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-1, नियुक्त किया गया है।

सं० फा० 4-5 (63)/75-प्रशा-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सी० बी० नीलग्रीवम् को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन गुन्टूर में दिनांक 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी-वर्ग-III, नियुक्त किया गया है।

ई० एस० पार्थसारथी,  
कृषि विपणन सलाहकार

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान

बम्बई-400058, दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

सं० 1-12/75 स्था०/10401—विकास आयुक्त, अन्दमान निकोबार, प्रशासन सचिवालय, के कार्यालय में मत्स्य विकास अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री विजय कुमारन, निदर्शक (मीन परिसंस्करण), केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 को उनके कार्यभार से मुक्त किया गया।

एस० एन० द्विवेदी,  
निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कामिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(137)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०)

श्री सपूर्वटकर रामस्वामीअय्यर रामचंद्रन को 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(131)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी फोरमैन श्री अब्दुल्ला साहब टोंसे को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/73(2)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा० रवीकांत गुप्ता को 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये अस्थायी रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उम्रीकृष्णन,  
उप स्थापना अधिकारी (भ०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलक्कत-603102, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 18(60)/75-भर्ती—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, परियोजना के अस्थायी पर्यवेक्षक श्री एस० अय्यनार को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन,  
प्रशासनिक अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना—क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के भंडार यूनिट, तारापुर परमाणु बिजलीघर, तारापुर के अस्थायी भंडारी श्री एन० वाई० अरेकर को, श्री बी० पी० टिल्लू, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 10-6-1975 से 11-7-1975 तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कामिक अधिकारी

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं. ए० 31014/1/75-ई०-1--निम्नलिखित अधिकारी, उनके आगे दिए दिनांक से, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-II में मौनिक रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किए गए हैं :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	मौलिक नियुक्ति का दिनांक	तैनाती कार्यालय
1	2	3	4
<b>सीधी भर्ती</b>			
1.	श्री बगरावत सिंह	1-5-75	कार्यालय, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली (अभी भारत में बाहर प्रतिनियुक्ति पर)
<b>पदोन्नत</b>			
1.	श्री के० कृष्ण	1-3-70	कार्यालय, निदेशक भारतीय उष्ण कटि-पट्टीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुना

उपरोक्त अधिकारियों की वरीयता सामान्य नियमों के अनुसार निश्चित की जाएगी।

वाई० पी० राव,  
वेधशालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं. ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है—

1. श्री के० वी० उपाध्याय, वैमानिक संचार स्टेशन, सहायक तकनीकी अधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।
2. श्री आर० सम्पत कुमार, वैमानिक संचार स्टेशन, सहायक तकनीकी अधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।
3. श्री श्रवण कुमार, निदेशक, रेडियो निर्माण और सहायक तकनीकी अधिकारी विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

हरबम लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं. ए०-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कमलानन्द राय संचार सहायक को 28 नवम्बर, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में सहायक संचार अधिकारी के रूप में वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

2-426GI/75

सं. ए०-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर

विमानन ने श्री कमलानन्द राय संचार सहायक को 28 नवम्बर, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में सहायक संचार अधिकारी के रूप में वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं. ए०-38012/1/75-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री पी० एल० मोदगिल, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आ्यु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30-11-1975 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं. ए० 38013/1/75-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री सी० जी० के० राव, सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आ्यु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

विश्व विनोद जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासक कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं. ए०-32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री डी० सी० खरब, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को 17 दिसम्बर, 1975 से 6 मास की अवधि के लिए अथवा उन के द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त

किया है। श्री खरब को दिल्ली एयरपोर्ट, पालम पर तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जीहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन'

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय  
पटना, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 11(7) 5-स्था०/75/12971—इस कार्यालय के आदेश मि० सं० 1-सामा०/समा०/गोप०/74/11/8894 दिनांक 5-8-1975 के अनुसरण में श्री आर० एन० पी० साहु, स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क समाहर्तलिय, पटना दिनांक 6-11-1975 के पृष्ठांक में सेवा-निवृत्त हुए।

ह० ना० साहु,  
समाहर्ता

इलाहाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

सं० 161/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में अधीक्षक (निवारक एवं आसूचना) के रूप में तैनात श्री बी० बी० जायसवाल, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के आदेश मख्या 14/1975-फा० सं० ए०/38013/31/75-सी० ई० आर० सी० (प्रशा०), दिनांक 6-11-1975 का पालन करते हुए, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में अधीक्षक (निवारक एवं आसूचना) के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 27-11-1975 को (दोपहर के बाद) श्री ए० एन० एस० भटनागर को सौंप दिया और उक्त तिथि और समय से वे सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 162/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निवारक) के पद पर तैनात श्री देवी प्रसाद अवस्थी, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने दिनांक 30-11-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निवारक) के कार्यालय का कार्यभार श्री सिद्ध नाथ तिवारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' को सौंप दिया और तिथि और समय से वे सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1975

सं० 168/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, देवरिया के रूप में तैनात श्री आर० एस० मिह, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने दिनांक 30-11-1975 को (दोपहर के बाद) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, देवरिया के अधीक्षक के कार्यालय का कार्यभार श्री जी० पी० दरबारी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, गोरख-

पुर को सौंप दिया और उक्त दिनांक और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 169/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय मिर्जापुर में तैनात तथा इन कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75, दिनांक 23-10-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थानापन्न आदेश संख्या 314/1975 दिनांक 23-10-1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो-(अव वर्ग 'ख'/ग्रुप 'बी०') के पद पर नियुक्त श्री गौरी शंकर श्रीवास्तव स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 10-11-1975 को (दोपहर से पहले) श्री ए० यू० हैदर, अधीक्षक सीमाशुल्क वर्ग 'ख' को कार्यभार से मुक्त करते हुए सीमाशुल्क मण्डल कार्यालय, लखनऊ में अधीक्षक सीमाशुल्क वर्ग 'ख' लखीमपुर खीरी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री ए० यू० हैदर का स्थानान्तरण सीमाशुल्क मण्डल, गोरखपुर को हो गया है।

सं० 170/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय कानपुर में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में तैनात और इन कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 30-स्था०/75/27805, दिनांक 29-7-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थानापन्न आदेश संख्या 208/1975 दिनांक 29-7-1975 के अनुसार, आगामी आदेश होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त श्री बाकि लाल गुप्ता ने दिनांक 29-8-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय सीतापुर में प्रशासन अधिकारी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया श्री पी० के० खन्ना, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने उसी समय और तारीख से उक्त पद का अतिरिक्त कार्यभार छोड़ दिया।

एच० बी० दाम,  
समाहर्ता

चंडीगढ़ दिनांक 23 दिसम्बर, 1975

सं० 150—श्री सोमनाथ मलोहरा स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय नई दिल्ली की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 29-11-1975 दोपहर पहले से चंडीगढ़ समाहर्तलिय में ग्रहण कर लिया है।

सं० 151—श्री ओम प्रकाश शर्मा स्थानापन्न कार्यालय अधिक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय नई दिल्ली की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है उन्होंने अपने पद का कार्यभार उत्पादन शुल्क जालंधर के कार्यालय में 29-11-1975 को दोपहर बाद ग्रहण कर लिया है।

सं० 152—श्री मेला राम स्थानापन्न कार्यालय अधिक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय चंडीगढ़ की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय श्री नगर में दिनांक 9-12-1975 के पूर्वार्द्ध ग्रहण कर लिया है।

सं० 153—श्री दलजीत सिंह स्थाई निरीक्षक (एम० जी०) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन्न अधिक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिक्षक (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम 650-30-740-35-810- ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय लुधियाना में 3-12-1975 के पूर्वार्द्ध को ग्रहण कर लिया है।

के० के० द्विवेदी,  
समाहर्ता

#### केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद-121001, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० 3-393/75-सी० एच० (ई०)—श्री प्रकाश नारायण को कनिष्ठ भू-वैज्ञानिक वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थायी रूप से वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत मुख्यलाय चंडीगढ़ के साथ दिनांक 27-11-1975 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख  
मुख्य जल भू-विज्ञानी

#### केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर, 1975

सं० 5/6/75-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, 1974 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्न-लिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में सहायक कार्यपालक इंजीनियर

(सिविल) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दो हुई तिथि से परीक्षाधीन नियुक्त करने हैं:—

सर्वश्री

1. सुशील कुमार भित्तल	28-11-1975
2. विनोद कुमार गुप्त	2-12-1975
3. आर० सिरकार	1-12-1975
4. बी० लाहा	1-12-1975

पी० एस० पाखानी,  
प्रशासन उप-निदेशक

#### रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 74/आर० ई०/161/1—सर्वतन्त्रविधा की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि रेलवे के अलीगढ़ स्थित स्विचिंग स्टेशन से खुर्जा जं० सब-स्टेशन तक (कि० मी० 1331 से कि० मी० 1370 तक) उतर रेलवे द्वारा बनायी गयी 132 के० बी० दोहरा परिपथ पारेषण लाइन में, जो निकट के गांवों के ग्राम-पास रेल-पथ के समानान्तर जाती है, 15-12-1975 से 132 किलोवाट ए० सी० 50 साइकिल प्रति सेकिण्ड बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी पारेषण लाइन को हर समय बिजनी-युक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ऊपरी लाइन के पास नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिवारों के सभी उपयोगकर्ताओं की ग्राम सूचना के लिए एतद्-द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अलीगढ़ जं० (छोड़-कर) से खुर्जा (सहित) तक के खण्ड पर (संरचना सं० 1328/5 और 6 से संरचना सं० 1371/23-24 तक) ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों पर 15-12-1975 को या इसके बाद 25 किलोवाट बिजनी प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजनी-युक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

अमृत लाल गुप्त,  
सचिव

#### कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

मद्रास-600006, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 143/ लिक्विड० /5.560/75—यतः दि आर्कीट सिटिजन बैंक लिमिटेड बजार स्ट्रीट, आर्कीट, नार्थ आर्कीट-जिला (इन लिक्विडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय जुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमबद्ध मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि आर्कोट सिटिजन बैंक लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पि० अन्नपूर्णा,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० डी० एन०/1875/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कुन्गप्पालयम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 5947/डी० एन०/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कुन्गप्पालयम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फुदुमै पदिप्पगम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० डी० एन०/2126/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फुदुमै पदिप्पगम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० श्रीनिवासन,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सिंसीयर मनी एंटरप्राइसिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद-1, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 885-टी०(560)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि सिंसीयर मनी एंटरप्राइसिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आंध्रप्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पूना इन्वेस्टर्स बैंक लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० 4539/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पूना इन्वेस्टर्स बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

आयकर आयुक्त का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 24 अक्तूबर 1975

सं० 2—श्री देवा सिंह गुप्ता, आयकर अधिकारी प्रथम श्रेणी दिनांक 15-10-1975 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

[नि० सं० बी०-4-जिल्द-III-143।]

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 3—श्री टी० एन० बंसल, आयकर अधिकारी, द्वितीय श्रेणी, जो कि बी-वार्ड, अमोहर में आयकर अधिकारी थे, 8-12-75 को सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर प्रस्थान कर गये। 29-2-1976 को छुट्टी उपरान्त, वह सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेंगे।

[नि० सी० बी०-4-जिल्द-IV-1719।]

ब० र० अवरोल, आयकर आयुक्त, अमृतसर-1

पटियाला, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

आदेश

सं० गोप० 1303/स०अनु०/841—यतः आयकर आयुक्त, पटियाला-I, पटियाला की राय है कि ऐसा करना लोकहित में है;

अतः अब मूल नियमों के नियम-56 के खण्ड (अ) के उपखण्ड (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, पटियाला-I, पटियाला श्री पी०एस० गम्भीर, आयकर अधिकारी, वर्ग-II की एतद्वारा तत्काल सेवा से निवृत्त करते हैं, क्योंकि वे पहले ही 5-7-1971 को 50 वर्ष की आयु के हो चुके हैं। श्री पी०एस० गम्भीर को तीन मास की अवधि के लिए उनके वेतन तथा भत्तों के बराबर राशि, उस दर से संगणित करके जिस दर से वे सेवा निवृत्त से ठीक पहले वेतन ले रहे थे, संदत्त की जायेगी।

बी० पी० गुप्ता,  
आयकर आयुक्त,  
पटियाला-I, पटियाला



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4233/75-76—यतः सू०,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० सर्वे नं० 10/2 (पुनर्नं० 3) का प्लॉट नं० 20 में है गाव, वैट फील्ड, त्रिणराजपुर होब्ली, तथा जो सौत पट्टनदुर अग्रहारा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सौत तालुक में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 814/75-76 ता० 8 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एफ० बी० ए० स्कडर एयर वाइंग मजिस्ट्रल,  
इंडियन एयर फोर्स, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री दारा सी० शाप  
15/1, मद्रास ब्यान्क रोड, बंगलूर-1  
(2) जकरिया हाशिम पुत्र हाशिम मतार नं० 11,  
एडवर्ट रोड, बंगलूर 1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 814/75-76 ता० 8 मई 1975)

पुनर्नं० 3, तथा सर्वे नं० 10/2 में प्लॉट नं० 20, सौत पट्टनदुर अग्रहारा, वैट फील्ड, त्रिणराजपुर होब्ली, बंगलूर सौत तालुक

सीमा : पू० प० 180' +  $\frac{224}{2}$

उ० द० :  $\frac{172' + 175'}{2} = 350.47$  वर्ग फीट

सीमा :

पू० : आयरलैण्ड की सम्पत्ति

प० : प्लॉट नं० 19

उ० : प्लॉट नं० 9

द० : पञ्चायत रोड

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4243/75 76—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 18, 19 और 20 है तथा जो 'पापु काटेज' का भाग टाटा सिलक फार्म, कनकापुरा रोड, बैंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उणाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 373/75-76 दिनांक 1 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री बी० कृष्णमूर्ति (2) बी० के० मूर्ति (3) बी० के० एन राजन (4) बी० के० राम (5) बी० के० श्रीधर (6) बी० के० कुमार 'पापु काटेज', कनकापुरा रोड, टाटा सिलक फार्म बैंगलूर-4  
मुस्तारनामी एस० सी० गोपालपा, 67, एच० बी० समाजा रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री चमनलाल मेहता सी/1 कालेज स्ट्रीट, मार्केट कलकत्ता-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 373/75-76 दिनांक 1 मई 1975)  
सैट नं० 18, 19 और 20, पापु काटेज का एक भाग, टाटा सिलक फार्म, बसवनगुडि, बैंगलूर-4

सीमा  $100' \times 55' = 5500$  वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 17

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : सैट नं० 6, 7, 8 और 9

दक्षिण : रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4264/75-76—यत मूले  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 55 (पुराना 12) का एक भाग है तथा जो छारलेस कथामल रोड, काक्स टौन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मेरी बोनम मुखारनामी द्वारा एम० क० थामस, 9, रेनिस स्ट्रीट, बंगलूर-25

(अन्तरक)

(2) श्री के० जे० अशोकाजी 2, लेविम रोड, कूट टौन सिविल स्टेशन, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 686/75-76 दिनांक 21 मई 1975)

न० 55 (पुराना न० 12) का पिछला भाग जो छारलेस कथामल रोड, काक्स टौन, बंगलूर-5

क्षेत्रफल : 50 प० : 40'

उ० द० : 50' = 2000 वर्ग फीट

सीमा :

प० : न० 1 और 1/1 छारलेस कथामल रोड

प० न० 5, छारलेस कथामल रोड

उ० : प्लॉट न० 3—अब न० 68/2

द० : न० 55 में का भाग

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 24 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4420/75-76—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 55 का पिछला भाग है तथा जो छारलेस क्यामल रोड, काकम टोन, बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री के० ज० अशोकराज 2, लविस रोड, कूक टोन बैंगलूर-5

(अन्तरक)

(2) श्री एन० अनमृगम द्वारा मुख्तारनामी एन० कृष्णन नं० 126/2, कतिरुपा रोड डोड्डिगुन्टा, काकम टोन, बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 834/75-76 दिनांक 2 जून 1975)

सट नं० 55 (पुराना नं० 12) का पिछला भाग, छारलेस क्यामल रोड, काकम टोन, बैंगलूर-5

क्षेत्रफल : पू० प० 40'

उ० द० : 50' = 2000 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : न० 1 और 1/1 छारलेस क्यामल रोड

पश्चिम : नं० 5, छारलेस क्यामल रोड

उत्तर : प्लॉट नं० 3 (नया नं० 68/2)

दक्षिण : नं० 55 का सामने का भाग जो श्रीमती सुगुना को बेचा गया और रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 24 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4269/75-76—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 है तथा जो मद्रास सापर्स आफ़ीमर्स कालोनी,  
बनसवाडी रोड बैंगलूर-33 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 मई 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—426 GI/75

(1) श्री ई० के० एन० कुमार  
ट्रेडिंग बटालियन III  
एम० ई० जी० सेनटर बैंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अरविन्दाकश मेनन  
82, कोलस रोड बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 730/75-76 दिनांक 23 मई 1975 )

प्लॉट नं० 12, मद्रास सापर्स आफ़ीमर्स कालोनी, बनसवाडी  
रोड, बैंगलूर-33  
क्षेत्रफल:

$$\text{पू० प०} \frac{65' + 38'}{2}$$

$$\text{उ० द०} \frac{80' + 81'}{2} = 4146 \text{ वर्ग फीट}$$

सीमा:

पूर्व: सैट नं० 52

पश्चिम: रास्ता

उत्तर: सैट नं० 51

दक्षिण: खाली जमीन

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक: 22 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर]

बैंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० आर० एम० नं० 8 है तथा जो गनगोनडनहल्ली  
यशवन्तपुर होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय बैंगलूर नार्थ तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मई 1975  
दस्तावेज नं० 855/75-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री सज्जन आर० राव द्वारा मुख्तारनामी एस० एम०  
रामकृष्ण राव 'लक्ष्मी निवास' फोर्ट, बैंगलूर सिटी  
(अन्तरक)
- (2) श्री मुनिबैरप्पा उर्फ पापन्ना अत्तिगुप्पे गांव, मैसूर  
रोड, बैंगलूर सिटी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 855/75-76 दिनांक 22 मई 1975)

4 एकड़ जमीन आर० एस० नं० 8, गनगोनडनहल्ली गांव,  
यशवन्तपुर होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक।

सीमा :

पूर्व : आर० एस० नं० 8 में अन्तरिती की जमीन

प० उ० द० : आर० एस० नं० 8 में अन्तरक की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० मि० आर० 62/4329/75-76—यतः मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 490 है तथा जो राजमहल विलास एक्सटेंशन  
बैंगलूर में स्थित है (और इस से उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर,  
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 28 मई 1975 (दस्तावेज 974/75-76) को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० टी० जानकीथम्मा डी 6/30 "वसन्त  
विहार" नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एस० जी० श्रीनिवासन रीजिनल म्यानेजर,  
एर० इण्डिया वनधना 11, टालसटाय मार्ग,  
दिल्ली-1

(2) वैदेही श्रीनिवासम, नं० 3, सरक्यूलर रोड  
चानक्यापुरी, नई दिल्ली-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 974/75-76 दिनांक 28 मई 1975)

सैट नं० 490, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बैंगलूर  
डिविजन 45)

क्षेत्रफल :

पू० : 99'

प० : 103' 9"

उ० : 60'

द० : 60' = 6000 वर्गफीट

सीमा :

पू० : सैट नं० 491

प० : सैट नं० 489

उ० : सैट नं० 482 और 483 का हिस्सा

द० : रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(iii) आर्टो एम० जेवियर, 8/274, नादर कानोनी  
ट्रिचि रोड, कोयम्बटूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4342/75-76—यतः, मुझे  
आर० कृष्णमुत्तिआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० 3 (पुराना 5/46) है, तथा जो सादर पत्रप्या  
रोड ओ० टी० सी० रोड, 1 आस, बैंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 मई 1975  
(दस्तावेज नं० 631/75-76) कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) श्रीमती जी० जे० मोसस, 33, विक्टोरिया रोड,  
बैंगलूर-7
- (ii) पी० डी० जेवियर, 14 लथाना फोर्ड आस, शान्ती  
नगर, बैंगलूर-27

(2) श्री एन० रामचन्द्र 105, सादरपत्रप्या रोड  
बैंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

- (3) 1. जे० एस० जेवियर, 33, विक्टोरिया रोड,  
बैंगलूर
2. कुमारी जे० आर० जेवियर द्वारा सुख्तारनामी  
जे० एस० जेवियर
3. एलिजबेथम्मा, 33, विक्टोरिया रोड, बैंगलूर  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 631/75-76 दिनांक 9-5-1975)  
नं० 3 (पुराना नं० 85) 1 आस, बोल्ड तालुक कचेरी रोड,  
बैंगलूर सिटी।

डिविजन नं० 40

क्षेत्रफल :

पू० : 19' 9" + 48' 6" + 8'

प० : 65' 9"

उ० : 34' 9" + 17'

द० : 51' 9"

सीमा :

उत्तर : नं० 2, बी० टी० सी० रोड, 1 आस और एस० ए०  
सी० इमारत

दक्षिण : कनारा बैंक इमारत

पूर्व : कनारा बैंक इमारत और एल० ए० सी० इमारत

पश्चिम : 1 आस, बी० टी० सी० रोड

आर० कृष्णमुत्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4343/75-76—यत्, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3 (पुराना नं० 85) है तथा जो बी० टी० सी०  
रोड, I क्रॉस, बैंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 9 मई 1975 (दस्तावेज नं० 632/75-76)  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जे० एस० जेवियर, 33, विक्टोरिया रोड, बैंगलूर-7
2. जे० आर० जेवियर द्वारा मुस्तारनामी जे० एस०  
जेवियर

3. एलिजाबेथमा, 33 विक्टोरिया रोड,  
बैंगलूर-7

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रामचन्द्र 105, सादारपल्लवा रोड  
बैंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

(3) 1. पी० जी० जेवियर, 14 लयांगफोर्ड रोड, आस  
शान्ती नगर, बैंगलूर-27

2. आटो एस० जेवियर, 8/274, नादर कालोनी,  
ट्रिचि रोड, कोयमबतूर

3. जी० जे० मोसस, 33 विक्टोरिया रोड, बैंगलूर-7  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 632/75-76 दिनांक 9 मई 1975)  
नं० 3 (पुराना नं० 85), बी० टी० सी० रोड, I क्रॉस,  
बैंगलूर सिटी।

क्षेत्रफल:

पू० : 19' 9" + 8' + 48' 6"

प० : 65' 9"

उ० : 34' + 17'

द० : 5' 9"

सीमा:

उत्तर: नं० 2, बी० टी० सी०, रोड I क्रॉस और एल० ए० सी०  
इमारत

दक्षिण: कनारा बैंक इमारत

पूर्व: कनारा बैंक इमारत और एल० ए० सी० इमारत

पश्चिम: बी० टी० सी० रोड, I क्रॉस

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बैंगलूर

दिनांक: 20 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० 62/4346/75-76—यतः मुझे आर०

कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 16 है तथा जो IV क्रस, मागडी रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1975 को (दस्तावेज न० 717/65-76)

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती एम० होननप्पा (2) चन्नम्मा (3) एच० राजप्पा (4) एच० भाग्यकुमार 16, VI क्रस, मागडी रोड बैंगलूर-23

(अन्तरक)

(2) 1. मूल राजमेहता

2. प्रताप सिंह मेहता

23, क्रस, मागडी रोड बैंगलूर-23

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 717/75-76 दिनांक 14 मई 1975)

सैट न० 16, VI क्रस, मागडी रोड, बैंगलूर सिटी डिविजन न० 13

क्षेत्रफल :

पू० प० : 180' + 190'

उ० द० : 104' + 72' / 2 = 16280 वर्ग फीट

सीमा :

पू० : गनगथ्या का घर

प० : क्रस रोड

उ० : एम० होननप्पा का बनाया हुआ रोड

द० : म्युनिसिपल नाला

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/मई-  
1/744 (15)/75-76—यत, मुझे, च० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है जो मे  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरी चन्द, बालू तथा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय  
श्री हत राम, निवासी जोनापुर गाव, तहसील महरोली, दिल्ली  
इनके जनरल एटार्नी श्री प्रेम नाथ सुपुत्र श्री हम राज निवासी  
1556, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली (2) श्री नारीन्द्र आनन्द,  
सुपुत्र श्री गियान चन्द, निवासी, 1632, नाई बाला, वरौल बाग,  
नई दिल्ली (अन्तरक)

2 मैसर्स मोहन लाल हरबम लाल भयाना एण्ड क०,  
सी०-54, महारानी बाग, भोगल आश्रम के पाम, रिना रोड,  
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जोकि 6 बीगा तथा 6 बिसवा (6377 वर्ग  
गज) क्षेत्रफल पर है, मुस्तातोल न० 15, जोकि 13/2 तथा  
14/2 किले का भाग है और मुस्तातोल न० 15 जोकि 17  
तथा 18 किले का भाग है, जोनापुर गाव, महरोली तहसील,  
दिल्ली क्षेत्र में स्थित है।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 8 जनवरी 1976  
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए०, ग्रामफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/मई-1/  
744 (15)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हरी चन्द, बालू तथा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हत राम, निवासी जोनापुर गांव, तहसील महरोली, दिल्ली उनके जनरल डटारनी श्री प्रेम नाथ, सुपुत्र श्री हंस राज, निवासी, 1656, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली (2) श्री नारीन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री गियान चन्द, निवासी 1632, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री ओनकार कम्पनी, सुपुत्र श्री अमर नाथ कम्पनी, निवासी ग्र्याम-भवन, जोशी रोड, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृपि भूमि जोकि 5 बीगा तथा 4 बिसवा पर, मुस्तातोला नं० 15 है जोकि खसरा नं० 22 का भाग है तथा मुस्तातोला नं० 28 जोकि खसरा नं० 2 का भाग है, जोनापुर गांव, महरोली तहसील, दिल्ली क्षेत्र, नई दिल्ली में स्थित है ।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ असी रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली-दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2006/1001/  
75-76—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० 2817 है, जो कूषा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-426GI/75

1. श्री प्रेम सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द सहगल निवासी  
38-डी०, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली स्वयं तथा रजिस्टर्ड जनरल  
एटारनी श्री सुरीन्द्र सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द सहगल, निवासी :  
38-डी०, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली के लिए (2) श्री सुदेश  
सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द (3) श्रीमती शीला रानी सहगल,  
पत्नी श्री मेहर चन्द सहगल, निवासी 38-डी०, सुजान सिंह पार्क,  
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती हमीदा बेगम, पत्नी श्री अब्दुल राशीद, 802,  
हवेली अजाम खान, बाजार चितली कबर, जामा मस्जिद,  
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 2817 और जोकि 200  
वर्ग गज जमीन पर बना है। यह कूषा चेलान, दरिया गंज,  
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 11/2816

पश्चिम—मकान नं० 11/2818

उत्तर—गली

दक्षिण—मकान नं० 11/2848।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/349(1002)/  
75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-5/4 का पूर्वी भाग है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चरन जीत कौर, पत्नी श्री बलवीन्द्र सिंह, बी०-9/5, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पलटा, सुपुत्र श्री मूलख राज पलटा, बी०-8/14, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी०-5/4 का पूर्वी भाग जोकि कुल क्षेत्रफल 233-1/3 वर्ग गज का 77-7/9 वर्ग गज, खसरा नं० 412 का भाग है और जोकि मान्यता प्राप्त कलौनी कृष्ण नगर, गांडली गांव शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० बी०-5/3

पश्चिम—प्लॉट नं० बी०-5/4 का भाग

उत्तर—रोड

दक्षिण—प्लॉट नं० बी०-6/4।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2038/1003/  
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9437 गली नं० 10 है, जो मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्दन लाल राना, सुपुत्र श्री रत्नपत राय, 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार उर्फ विनोद गोपाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री पी० एन० बैनरजी, निवासी 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज, सुपुत्र श्री एस० के० खुराना, (2) तिलक राज कालरा, (3) शाम लाल मेहरा, सभी निवासी 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला भूकान 100 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लॉट पर बना है जिसका नं० 9437, गली नं० 10 है, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मुख्य मुलतानी डांडा रोड,

पश्चिम—भूकान नं० 9437-ए

उत्तर—शॉड नं० 9436 ए

दक्षिण—गली नं० 10

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

माहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 4/14-ए, असफ असी रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/11/2046(1004)/

75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3010 गली नज बंदन, है, जो शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,

1. श्री संवल दास, सुपुत्र श्री देवी दीन, 3010, गली नज बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मीराजुद्दीन, सुपुत्र मोहम्मद इशाक तथा श्रीमती खुरशीद बेगम, पत्नी श्री मीराजुद्दीन, निवासी 3016, गली नज बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची.

एक ढाई मंजिला मकान जो 100 वर्ग गज प्लॉट पर बना है, जिसका (पुराना) नं० 1850 तथा वर्तमान मुन्यसिपल नं० 3010, नज बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ,

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

4/14 ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2001/1005/  
75-76-यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7051 तथा 7052 है, जो बैरी वाला बाग,  
अजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए, अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री चूनी लाल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 7050,  
बैरीवाला बाग, अजाद मार्किट, दिल्ली (2) श्री रोशन लाल,  
सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 306, अजाद मार्किट, दिल्ली  
(3) श्री शादी लाल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 325, अजाद  
मार्किट, दिल्ली (4) श्रीमती श्रीलावती, पत्नी श्री किवन मल,  
निवासी 6844, बैरीवाला बाग, अजाद मार्किट, दिल्ली (5)  
श्रीमती कृष्णावती, पत्नी श्री बलदेव राज, निवासी 305,  
अजाद मार्किट, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती गोरजन देवी, पत्नी श्री अमीर चन्द, 8932.  
नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता ह।

, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो 105 वर्ग गज प्लॉट पर बना है,  
जिसका नं० 7051 तथा 7052 है, बैरीवाला बाग,  
अजाद मार्किट, वार्ड नं० 13, दिल्ली में है। यह मकान  
निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व--मकान नं० 7053 पश्चिम--मकान नं० 7050  
उत्तर--पुराना रोहताक रोड़। दक्षिण--गली।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्मु०/11/343/1006/  
75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25 राज ब्लाक कलौनी, है, जो जी० टी० रोड,  
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है और इससे उपामुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री देस राज, सुपुत्र श्री लाधा राय, 1122, रेलवे रोड,  
शाहदरा, दिल्ली-32 (अन्तरक)

2. श्री डा० गीता गुप्ता, पत्नी डा० आर० पी० गुप्ता,  
672, काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

., अनुसूची

जायदाद नं० 25 का क्षेत्रफल 400 वर्ग गज, खसरा  
नं० 2851/68, 70 है और जोकि चन्द्रावली गांव, शाहदरा,  
अवादी राज ब्लाक कलौनी, जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली-32  
में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व--बाकी खसरा नं० 2851/67

पश्चिम--रोड 36'

उत्तर--बाकी खसरा नं० 71

दक्षिण--अन्य भूमि :

एम० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2032/1007/  
75-76-यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2191 (2 दुकाने निचली मजिल) है, जो  
मोहला शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में नथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मिया  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री श्रीम प्रकाश, सुपुत्र श्री हुकम चन्द निवामी 3691,  
मोहला शाह गंज, अजमेरी गेट दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. श्री अजीज अहमद, सुपुत्र बहादुर खान तथा मोहम्मद  
हारून, सुपुत्र श्री अबदुल अजीज, निवासी, 3770, तथा 4381,  
मोहला शाह गंज अजमेरी गेट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मवध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकाने जोकि 36 वर्ग गज क्षेत्रफल पर बनी हुई हैं,  
जिसका नं० 2991, मोहला शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली  
है।

एस० एन० एस० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2037/1008/75-76-  
यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 10445 बागीची आलुद्दीन है, जो कादम शारीफ  
पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री घोसा, सुपुत्र श्री नंगा माली, निवासी कादम शारीफ  
बागीची आलुद्दीन, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री केदार नाथ, (2) श्री गानेशी लाल, सुपुत्र श्री  
हजारी लाल, निवासी 9640, गली नं० 12, मूलतानी डांडा,  
पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान 133 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लॉट पर बना  
है जिसका नं० 10445, गली नं० 2-3, बागीची आलुद्दीन,  
कादम शारीफ पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2022/1009/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8877 गली मोती वाली है, जो नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री नानक राम, सुपुत्र श्री किशन चन्द गाथा (2) श्रीमती दरपती देवी, पत्नी श्री नानक राम गाथा, निवासी 8877, गली मोती वाली नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० काका [प्लास्टिक वर्क्स, 8923, नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमजिला मकान जो 53. 1/2 वर्ग गज प्लॉट बना हुआ है, जिसका (पुराना) नं० 12/5568 तथा (नया) 12/8877, गली मोती वाली, नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली-6 में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व—मकान नं० 8876

पश्चिम—मकान नं० 8878

उत्तर—6 मकान नं० 8874

दक्षिण—मुख्य गली

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली; नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/11/328/1010/

75-76—यतः, मू०, एस० एन० एल० गग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ०-12/21 का उत्तरी भाग है, जो कृष्ण  
नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल, सुपुत्र श्री हरी चन्द, एफ०-12/21,  
कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द मोगा, सुपुत्र श्री बक्षी राम मोगा, 323,  
राम नगर, दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्षितियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान 98.9/10 वर्ग गज प्लॉट पर बना  
है, कुल क्षेत्रफल 197.8 वर्ग गज का उत्तरी भाग जिसका  
नं० 21, ब्लॉक नं० एफ०-12 है, कृष्ण नगर, गोडली गांव,  
शाहदरा, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड़

पश्चिम—आयदाद नं० एफ०-11/21

उत्तर—एफ०-12/20 पर बना मकान

दक्षिण—प्लॉट का बाकी भाग।

एस० एन० एल० गग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1  
नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/11/1999/1011/  
75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/8 की पहली तथा दूसरी मजिल है, जो  
सिंह सभा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिरे की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती राजवन्त कौर, पत्नी श्री जसवन्त सिंह, 5/8, सिंह  
साभा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली (अन्तरक)

2 श्रीमती कान्ता देवी, पत्नी श्री श्री चन्द, 9749, नीम  
वाली गली, नवाब गंज, पुल बग़, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पहली तथा दूसरी मजिल का क्षेत्रफल 213.3 वर्ग गज है  
जोकि प्लॉट न० 5/8 पर बना है तथा सिंह सभा रोड, सब्जी  
मण्डी, दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है —

पूर्व—प्लॉट न० 5/9

पश्चिम—प्लॉट न० 5/7

उत्तर—रोड

दक्षिण—रोड ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 9 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/332/1012/  
75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० के-7 का भाग है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भार  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मई 1975  
को पुरोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोबिन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्द राम, मकान न०  
11/360/9, लाट न० के-7 कृष्ण नगर, दिल्ली-51  
(अन्तरक)

2. श्री गोहर सिंह, सुपुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी 10/90,  
गीता कालोनी, दिल्ली-31 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 68.5/8 वर्ग गज है प्लॉट  
न० के-7 पर बना हुआ है, जिसका न० 11/360/9, खसरे  
का भाग 512/482 है, कृष्ण नगर की अबादी, गोडली गांव,  
शाहदरा, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—प्लॉट न० के-21

उत्तर—प्लॉट न० के-6

दक्षिण—प्लॉट न० के-7 का बाकी भाग।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर



प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/11/1013/333/  
75-76—यतः, मुझे, एस० एम० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० के-7 तथा के-8 का भाग है, जो कृष्ण नगर,  
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरगोबिन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्ध राम, निवासी मकान  
नं० 360/9, प्लॉट नं० के-7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51  
(अन्तरक)

2. श्रीमती विरन देवी, पत्नी श्री गोहर सिंह, निवासी 10/90,  
गीता कालोनी, दिल्ली-31  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक रिहायशी मकान जो के-7 के दक्षिणी भाग में और  
के-8 के कुछ अंश पर 68-5/8 वर्ग गांव गज जमीन के टुकड़े  
पर बना है। इसका खसरा नं० 512/284 कृष्ण नगर, गांव  
गोन्डली, शाहदरा दिल्ली है और निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—प्लॉट नं० के-21

दक्षिण—के-8 का बाकी हिस्सा

उत्तर—के-7 का बाकी हिस्सा।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सए आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

1. श्रीमती राजेश्वरी साह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती रानी सेखो (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 76-आर०/अर्जन—यतः, मुझे बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रूट नं० 5 है तथा, जो प्रेटल गार्डन हाउस जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैनीताल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 जून 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3,000 वर्ग फिट है। जोकि प्रेटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है।

बिशम्बर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राजेश्वरी शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रानी सेखां

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश नं० आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० नं० 5 है तथा जो होटल गार्डन हाउस  
जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 3 जून 1975 को

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

सूट नं० 5 होटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश नं० आर० सी०/ अर्जन—प्रतः मझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूट नं० 5 है तथा जो होटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 अगस्त 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुमुद शर्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी सेखो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3,000 वर्ग फीट है। जोकि होटल गार्डन हाउस, जिला नैनीताल में स्थित है ?

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती अहमदी बैगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती उर्मिला देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 16-11/एक्यू—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 369 आदि है तथा जो ग्रास गंज, बुलन्द शहर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
21 अप्रैल 1975 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-426GI/75

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा दूकाने नं० 369, 370 व 371 जो ग्रास गंज,  
बुलन्द शहर में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक 9 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अहमदी बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री उमेश चन्द

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० 17-11/एक्यू—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० 369 आदि है तथा जो ग़ोस गंज, बुलन्द शहर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
21 अप्रैल 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

तीन दुकानें, न० 369, 370 व 371 का 1/4 हिस्सा जो  
ग़ोस गंज जिला बुलन्द शहर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्रीमती ग्रहमदी बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री मुकट लाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 730 एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सख्या 369 आदि है तथा जो ग्रेस गज, बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा डकाने न० 368, 370 व 371 जो ग्रेस गज जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-1-1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती ग्रहमदी बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुकेश चन्द

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 74-एम/एसी ब्यू०—अतः मूखे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 369 आदि है तथा जो ग्रेस गंज, बुलन्दशहर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख,  
19-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दाखिले में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा दूकान नं० 369, 370 व 371- जो ग्रेस गंज  
जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-1-1976

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1 श्री विश्व नाथ चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री बी० जी० मेहरोता व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 23-वी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 9 है तथा जो बी० एन० रोड लखनऊ में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित। भकान नं० 9 जो कि बी० एन० रोड लखनऊ में  
स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
299-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-663 (255)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या सर्वे नं० 143-बी, सी० एस० नं० 2068 तथा  
2069-बी, है, जो नागजीभुदरजी पोल, जमालपुर वार्ड नं० 2,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, अहमदा-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांतीलाल मोहन लाल शाह,  
मंगल पार्क, आपेरा सोसायटी के पास,  
घूमकेडू मार्ग, पालड़ी  
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री रमणलाल मूलचंद शाह,  
मांडवी-नी-पोल,  
नागजीभुदर पोल,  
डेरावाला खांचा,  
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एच चार मंजल वाली अचल सम्पत्ति जो लगभग 96 वर्ग गज  
भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 143-बी, सी० एस० नं०  
2068 तथा 2069 बी है तथा जो नागजीभुदरजी पोल, जमाल-  
पुर, वार्ड नं० 2, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण  
बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 6-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 279/ए० सी० क्यू० 23-470/6-275-76—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० स० नं० 1178, 1179, 1179/1, और  
1180 पैकी प्लोट नं० जे० 44, जे०-50 और जे० 53 से जे० 59  
है, जो गोखा, सयाजी गंज एरिया, बड़ोदा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 21-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रिंसीपल आफिसर,  
बड़ोदा इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि०,  
गोखा रोड, बड़ोदा, (अन्तरक)

(2) प्रिंसीपल आफिसर,  
ज्योति लिमिटेड, गोखा रोड, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में लिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 1178, 1179, 1179/1  
और 1180 पैकी प्लोट नं० जे० 44 से जे० 50 और जे० 59 से जे०  
59 है तथा जो गोखा गांव बड़ोदा में स्थित है और जिसका कुल  
माप 1,40,000 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा  
के सई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3203 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-724 (256)/185/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं०-1772 तथा 1776, प्लॉट नं० 20 से 34 तक है, जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढवान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स परमार—सोलंकी गदाणी जैस्वाल एन्ड को० सुरेन्द्रनगर

की ओर से भागीदार:—

(i) परमार मन्हर लाल लीलाधर, परमार लीलाधर मावाजी एच० यू० एफ० का मेम्बर, वाडीपरा, सुरेन्द्रनगर।

(ii) परमार भीखाभाई हिम्मत लाल, परमार हिम्मत लाल भाधवजी एच० यू० एफ० का कर्ता, वाडीपरा, सुरेन्द्रनगर।

(iii) परमार मूलजी माधवजी, वाडीपरा, सुरेन्द्रनगर।

(iv) जैस्वाल जगदम्बाप्रसाद देवीप्रसाद, बुड़घाट रोड, सुरेन्द्रनगर।

(v) जैस्वाल जयन्तीलाल देवीप्रसाद, बुड़घाट रोड, सुरेन्द्रनगर।

(vi) जैस्वाल चन्द्रकांत देवीप्रसाद बुड़घाट रोड, सुरेन्द्रनगर।

(vii) गदाणी नटवरलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा घर के पास, सुरेन्द्रनगर।

(viii) गदाणी अमर्तलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा-घर के पास, सुरेन्द्रनगर।

(ix) गदाणी हिम्मतलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा-घर के पास, सुरेन्द्रनगर।

(x) सोलंकी पुरषोत्तमदास विठ्ठलदास, वाडीपरा, सुरेन्द्रनगर। (अन्तरक)

2. अजीतनाथ को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से

प्रमुख:—श्री अशोककुमार कातीलाल शाह, सुरेन्द्रनगर।

उपप्रमुख:—श्री अजीत कुमार मुगतलाल शाह, सुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2808 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे० नं० 1772 तथा 1776 है तथा प्लॉट नं० 20 से 34, तक है और जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 7 जनवरी 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23- - 725 (257)/1-1/  
75-76—यतः मूले जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० द० 189-ए, सब प्लॉट न० 1 तथा 3, है, जो राजपुर हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

7-426GI/75

1 श्रीमति ज्योतीबेन नागरभाई पटेल,  
13/14 जयंत पार्क,  
बटवा रोड, मणीनगर,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2 नटवर गोपाल को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी, की ओ से :—

चेयरमैन :—श्रीमति कादमबरीबेन रसीकलाल जोशी,  
जेठाभाई नी पोल  
खाड़ीया,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खूली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1516 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे० न० 189-ए, सब प्लॉट न० 1 तथा 3 है तथा जो राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण निम्नलिखित दो बिक्री दस्तावेजों में दिया गया है :—

बिक्री दस्तावेज नं० तथा तारीख	सर्वे० नं०/एस० पी० नं०	कुल क्षेत्रफल
6111/15-5-75	189-ए० एस० पी० 1	802 वर्ग गज
6112/15-5-75	189-ए एस० पी० पी० 3	714 वर्ग गज

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-1-1976

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 307/अ० रे०-III/75-76/कल०—अतः मुझे,  
ल० क० बालसुब्रमण्यम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 74ए, 74ब, 74 स, 74डी, 74ई, 74 एफ  
है तथा जो आशुतोष मुकुर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और  
उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री अजित कुमार बसु, 1/ए, ली रोड, कलकत्ता,  
(अन्तरक)

2. श्री मोहन कुमार मुकुर्जी, 'बाकुलिया हाउस,' 2, बिषु  
बाबू लेन, खिदरपुर, कलकत्ता (अन्तरिती)

3 सर्वश्री

(1) प्रफुल घोषी और सुकुमार दे

(2) जगदीश चन्द्र गांगुली

(3) तुलसी नारायण पंडित

(4) श्रीमति गायत्री देवी

(5) श्री उपेंद्र नारायण चाकी

(6) मेसर्स प्रामथा नाथ विजय कृष्ण एंड क०

(7) श्रीमति गायत्री देवनाथ

(8) ई० एल० ई० सी०, होर्डींग, कलकत्ता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र 5क० 15० छ० 38 वर्गफीट है, उसका  
अधिभाजित 6/15 वां हिस्सा, 74ए 74ब 74स 74 डी 74  
ई 74 एफ आशुतोष मुकुर्जी रोड कलकत्ता पर स्थित है। दलील  
सं० 4280

ल० क० बालसुब्रमण्यम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, कलकत्ता रफीअहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 5-1-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 308/अ० रे०-III/कलकत्ता--अतः मुझे, ल० के० बालसुब्रमण्यम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 74ए, 74ब, 74म, 74डी, 74ई, 74एफ० है तथा जो आशुतोष मुकुर्जी रोड, कलकत्ता-1, में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. आलोक कुमार बसु, 16, अर्ले स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्री मोहन कुमार मुकुर्जी, बाकुलिया हाउस, 2, बिशु बाबू लेन, खिदरपुर, (अन्तरिती)
3. सर्वश्री
  - (1) प्रफुल घोषी और सुकुमार पें
  - (2) जगदीश चन्द्र गांगुली
  - (3) जुलसी नारायण पंडित
  - (4) श्रीमति गायत्री लाहिड़ी
  - (5) श्री उपेंद्र नारायण चाकी
  - (6) मेसर्स प्रामथा नाथ विजय कुमार कृष्ण एंड कं०
  - (7) श्रीमति गायत्री देवनाथ
  - (8) ई० ल० ई० सी०, होडिंग, कलकत्ता
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 5क० 15छ० 38 वर्गफीट, इसके 6/15वा, हिस्सा, जो 74ए, 74ब, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ आशुतोष मुकुर्जी रोड कलकत्ता में स्थित है।

ल० के० बालसुब्रमण्यम  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 309/अ० रे०-III/75-76/कल०—अतः

मुझे ल० क० बालसुब्रमण्यम

भायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 74ए, 74ब, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ, है, तथा जो आशुतोष मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्व-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति बिजली घोष, 100/11, अलिपुर रोड, कलकत्ता (2) श्रीमति दिपाली मित्र (3) श्रीमति मंजुला घोष, 17/5स, ब्लाक 'ए', नलिनी रंजन एवेन्यू, न्यू अलिपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।
2. श्री मोहन कुमार मुकुर्जी बाकुलिया हाउस, 2, बिषुबाबू लेन खिदरपुर, कलकत्ता (अन्तरिती)।
3. सर्वश्री
  - (1) प्रफुल घोषी और सुकुमार दे
  - (2) जगदीश चन्द्र गांगुली
  - (3) तुलसी नारायण पंडित
  - (4) श्रीमति गायत्री लाहिड़ी
  - (5) श्री उषेन्द्र नारायण चाकी
  - (6) मेसर्स प्रामथा नाथ बिजय कृष्णन एण्ड क०
  - (7) श्रीमति गायत्री देवनाथ
  - (8) ई० ल० ई० सी०, होडींग, कलकत्ता
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का अविभाजित 3/15वां हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 5 क० 15 छ० 38 वर्गफीट है जो 74ए, 74ब, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ, आशुतोष मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर स्थित है।  
दलाल सं० 3612।

ल० क० बालसुब्रमण्यम  
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता  
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1976  
मोहर :



प्रषप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी०-38/आर० II/कलकत्ता-75-76—  
अतः मुझे आर० बी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 ए०, और 2 है तथा जो अलिपूर एबन्यू स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रारकी अधिकारांक कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1975

को पूरावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स डायमण्ड इन्वेस्टमेंट और प्रापरटीस एण्ड कं० लिमिटेड, 3, सिनागोग स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)।

2. मेसर्स रियल एस्टेट्स कोरपोरेशन 34, राजा बसन्ता राय रोड कलकत्ता। (अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 2 ए० और 2, अलिपूर एबन्यू, कलकत्ता का विभाजित दक्षिण भाग, जिसका क्षेत्रफल 8 कठ, 15 चट्टाक और 5 वर्ग फुट है।

आर० बी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

34, रफीग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16।

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 219/75-76—प्रतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिसकी सं० 11-2-22 सीताफलमन्डी है, जो सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
22-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० मुरलीधर सिंग पुत्र नारासिंह सीताफलमन्डी,  
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. मेसर्स भानुरी कासप्पा जीरा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 11-2-22 सीताफलमन्डी, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

स० आर० ए० सी० 220/75-76—यतः मुझे के० एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-1-503/8 और 9 फीलखाना है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री शेख नईमुद्दीन पुत्र स्वर्गीय शेख मोहम्मदुद्दीन, 18-3-892, बेरन अलीयाबाद, हैदराबाद (अन्तरक) ।
- 2 (1) संतोष कुमारी (2) कुमारी बुखा देवी, 21-3-710, खेलापुर, हैदराबाद (अन्तरिती) ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

घर नं० 15-1-503/8 और 503/9 फीलखाना, हैदराबाद ।

के० एस० वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-1-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 222/75-76—यतः मुझे के० एस०

वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 54, नं० 2-11-30 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती हशमनुस्मिता बेगम्, पैगा हाउस, सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद ।

(2) श्री जैनारायण मिश्रा, 26ए, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती पी० सुवर्णा देवावारम्, 12-5-23, विजयपुरी, साउथ लल्लागुडा, सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 54, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद (156 से 159, और 2-11-30 क्षेत्रफल 309.32 वर्ग मीटर) ।

के० एस० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख . 6 जनवरी 1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक: 6 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी०-223/75-76—अतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-6-510; 510/1, 510/2 और 510/3 है,  
जो निम्मामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निम्मामा-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 20-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—426GI/75

1. श्रीमती सयदा जन्नतुन्निसा बेगम पत्नी स्वर्गीय सय्यद  
शरफुद्दीन, एडवोकेट, निम्मामाबाद। (अन्तरक)

2. श्री सय्यद खुशरू आदिल हाशिमि पुत्र शरीफुल हसन  
हाशिमि, (2) सय्यद अखतार आदिल हाशिमि पुत्र शरीफुल हसन  
हाशिमि, 5-6-510, सिविल लाईन्स, निम्मामाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

घर नं० 5-6-510, 510/1, 510/2 और 510/3 सिविल  
लाईन्स, निम्मामाबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 224/75-76—यन० मुझे के० एस०  
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एफ०-4, पूनम अपार्टमेंट है, जो आबीडरोड,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स एमोसियेटेड बिजनेस, श्रीमती पणालना पत्नी श्री  
रतनलाल द्वारा आबीड रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती एन० आर० अरुघती रेड्डी, पत्नी एन० अरविन्द  
रेड्डी, 1-2-45, गगनमहल रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी०-1-एफ०-4, दूसरा मंजिल, पूनम अपार्टमेंट  
चिराग अली लेन हैदराबाद क्षेत्रफल 1085 वर्ग फीट।

के० एस० वेकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1976

म० आर० ए० सी० 225/75-76—यत. मुझे के० एम०  
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वी०-एफ०-3 पुनर्प्रार्थना है, जो आबीद रोड  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
तरीक़ा किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स,  
आबीद रोड, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती एन० माधवी, मार्फत एन० नागेंद्रनाथ रेड्डी,  
एडवोकेट, कर्नल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

प्लॉट न० वी०-एफ०-3 पुनर्प्रार्थना, चिराग अली लेन,  
हैदराबाद ।

के० एम० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1976

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 226/75-76—यतः मुझे के० एस०  
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 13-86/2 सीतारामपुरा है, जो मिरयालगुडा में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नलगोन्डा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
17-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेखला-अनुराधा पत्नी सुदाकर, 11-153 सीतारामपुरा,  
मिरयालगुडा नलगोन्डा जिला। (अन्तरक)
2. श्रीमती दिवगु सरस्वतमा पति जेनाकेशबलू तुनरापाड़,  
गांव (बी० ए०) मिरयालगुडा, नलगोन्डा जिला, जिला-मायनिजर,  
आनन्दाप्रदेड, सिविल सपलाय, सं० नं० 13-86/2 सीताराम  
पुरम, मिरयालगुडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—मकान नं० 13-86/2 सीताराम पुरम गाँव,  
मिरयालगुडा, तहसील नलगोन्डा, जिला।

के० एस० वेकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-116/अर्जन/75-76/1866—यतः मुझे  
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी प्लॉट सं० 1079, 1070 है, तथा जो मिकीलरोड  
रांची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
30-5-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री काली कुमार बनर्जी, अपर बाजार, रांची।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी जैन, लेक रोड, रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमुसूची

जमीन रकबा 3-1/2 कट्ठा, सा० मिकील रोड, रांची, प्लॉट  
सं० 1079, 1070, म्यु० हों सं० 1002, वार्ड सं०-I तथा जो  
दस्तावेज सं० 9455, दिनांक 30-5-75 में पूर्ण तथा वर्णित है।

अजय कुमार सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रलुप आई०टी०एम०एस०—

1. श्री सो० कु० बनर्जी, अर बाजार, राँची।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती बिमला देवी जैन, लेक रोड, राँची।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-117/अर्जन/75-76/1867—यतः मुझे, अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1079, 1070 है, तथा जो मिकील रोड, राँची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 3-1/2 कट्ठा, सा० मिकील रोड, राँची, प्लॉट सं० 1070, 1079, हो० सं० 1002, वार्ड सं०-I और जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 9453 दिनांक 30-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-118/अर्जन/75-76/1868—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1079 है, तथा जो मिकील रोड, रांची  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जक्ति कुमार वनर्जी, अपर बाजार, रांची।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द जैन, अपर बाजार, रांची।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 8 कट्ठा, सा० मिकील रोड, रांची, प्लॉट सं०  
1079, हो० सं० 1002, वार्ड सं० I, तथा जो दस्तावेज सं०  
9454, दिनांक 30-5-1975 में पूर्णतया वर्णित है।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख . 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-119/अर्जन/75-76/1869—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 892 से 895 है, तथा जो रानी बिधा,  
बिहार शरीफ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नालन्दा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री क्षमन महतो, वल्द श्री चुरामन महतो एवं श्री वारू  
महतो, वल्द श्री क्षमन महतो, सा० रानी बिधा, थाना, बिहार शरीफ  
जिला नालन्दा। (अन्तरक)

2. नालन्दा सर्विस स्टेशन, बिहार शरीफ, वहुतमाम श्री  
रामश्रय प्रसाद वल्द श्री त्रिवेणी सिंह, सा० नालन्दा सर्विस स्टेशन  
बिहार शरीफ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 10 कट्ठा, सा० रानी बिधा, थाना बिहार  
शरीफ, जिला नालन्दा, खाता सं० 78, प्लॉट सं० 892,  
893, 894 एवं 895।

अजय कुमार सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-120/अर्जन/75-76/1870—यतः मुझे  
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1155, खाता सं० 53 है तथा जो  
हेसाल, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-426 GI/75

1. श्रीमती मृति देवी, जौजे श्री कपिलदेव प्रसाद, अपर  
बाजार, थाना-कोतवाली, रांची। (अन्तरक)

2. श्री शिव प्रसाद सिंह बल्द श्री कुनवर सिंह, रातू रोड,  
थाना-कोतवाली, रांची। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 5 कट्ठा के साथ मकान, सा० हेसाल, थाना कोतवाली,  
रांची, प्लॉट सं० 1155, सब-प्लॉट सं० 1155/1, खाता सं०-  
53, इत्यादि, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 7888, दिनांक 5-5-75  
में पूर्णतः है।

अजय कुमार सिन्हा,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976  
मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-121/अर्जन/75-76/1871—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० म्यु० हो० सं० 146/ह है, तथा जो हात्मा (नागरा  
टोली), राची में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राची  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जायत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विगी भन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या भन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० मुकुमार सन्याल वन्द श्री सुरेन्द्र नाथ सन्याल, सा०  
सारदाश्री, राची, चायवामा रोड, थाना-कोतवाली, राची।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी जोर्जे डा० ब्रमेश्वर प्रसाद, सा०  
वरियानु, थाना-सदर, राची।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा, 21 कट्टा, 4 छटांक, सब प्लाट सं० 690/  
वी०, खाता सं० 57, म्यु० प्लाट सं० 370, म्यु० हो० सं० 146/ह,  
वार्ड सं० सात "ब" जो राची शहर के हात्मा (नागराटोली) में  
स्थित है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 6958, दिनांक 6-5-75  
में पूर्णतः है।

अजय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आर्इ०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-122/अर्जन/75-76/1872—यतः मन्त्र  
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-  
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० हों० सं० 12, बा० सं० 2 है, तथा जो मिल्कीचक  
उर्फ बरेहपुरा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के कार्यालय भागलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बीबी असमतुम निशा जोई स्व० खेलाफत हुसेन,  
तथा बीबी अफारदा बेगम जोई मैयद बुरहन, सा० एव पो० बरेह  
पुरा, थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सीताराम यादव वल्द श्री भसावन यादव, सा० एव  
पो० खैजरपुर, थाना-कोतवाली, जिला-भागलपुर, श्रीमती मनिका  
देवी जोई श्री भुवनेश्वर मडल एव श्री आशुतोष मडल वल्द श्री  
सीरी मडल, सा० एव० पो०-भुरखुरिया, जिला भागलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्वाध बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 8 बीवा, 15 कट्ठा, 8 धुर, मिल्कीचक उर्फ बरेहपुरा  
थाना कोतवाली, जिला भागलपुर, बा० सं० 2, सर्किल सं० 4,  
हो० सं० 12 तथा जिंगा वर्णन दस्तावेज सं० 6203 दिनांक  
24-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-123/अर्जन/75-76/1873—यतः मुझे  
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० सं० 36 है, तथा जो जमशेदपुर में स्थित है  
(और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री एस० एम० सफीक बल्द स्व० एस० टी० करीम,  
सा०/पो०—सक्की, जमशेदपुर, जिला सिंहभूमि। (अन्तरक)

2. श्री सरदार अजीत सिंह, बल्द स्व० सरदार भगत सिंह,  
33, टाटा नगर, मिल्स एव गोडाउन एरिया, थाना गोल मूरी,  
जमशेदपुर, जिला सिंहभूमि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 0.2046 एकड़ के साथ मकान जो टाटा नगर  
मील्स एवं गोदाभ एरिया, जमशेदपुर में है तथा हो० सं० 36 और  
जो दस्तावेज सं० 6922, दिनांक 14-5-75 में पूर्णतः वर्णित है।

अजय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-124/अर्जन/75-76/1874—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० न० है, तथा जो सकची, जमशेदपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री रामकृष्ण वल्द श्री पतिनाथलाल, हो० सं० 359,  
सीताराम डेरा, थाना सकची, जमशेदपुर। (अन्तरक)

2. श्री आर० प्र० सिंह, अविभावक, चन्द्र हंस, सीताराम  
डेरा, जमशेदपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का मकान, हो० सं० 359, थाना सकची, जमशेदपुर,  
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 6529/5-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-125/अर्जन/75-76/1875—यतः सुझे  
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-  
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 7, थाना सं० 1167 है, तथा जो  
जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वी० पारीख वलद स्व० वी० पारीख, सा०  
कान्द्राक्टर्स एरिया, जमशेदपुर, जिला सिंहभूम। (अन्तरक)

2. सरदार अ० सिंह वलद स्व० सरदार भगत सिंह, सा०  
टाटा नगर, मिल्स एवं गोदाम एरिया, जमशेदपुर, सिंहभूम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 9 कट्ठा 7-1/2 धूर के सहित मकान, प्लॉट सं०  
7, थाना सं० 1167 जो टाटानगर खासमहल एरिया, जमशेदपुर,  
में है और जो दस्तावेज सं० 7549/मई, 1975 में पूर्णतः वर्णित  
है।

अजय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 197-1-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-126/अर्जन/75-76/1876—यत. मुझे,  
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-  
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० हो० सं० 23 अ, बी० सं० 9 है, तथा जो भीकनपुर,  
भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री महिन्द्र सिंह, 166, पाटलिपुत्रा कोलोनी, पटना-13  
(अन्तरक)

1. श्रीमती हरजिन्दर रेखी द्वारा श्री एस० एस० रेखी, सा०  
भीकनपुर, भागलपुर। (अन्तरिती)

3. मिलिट्री इस्टेट, पदाधिकारी, दानापुर कैंटोनमेंट (वह  
व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एवं सतह में बना मकान सं० 23 अ, वार्ड सं० 9,  
सर्किल सं० 2, जो कि आर० बी० सुखराज राय रोड, भागलपुर।

अजय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख : 7-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी, 1976

निर्देश सं० III -127/अर्जन/75-76/1877—यतः मुझे  
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयुक्त, अर्जन परिक्षेत,  
बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० हो० सं० 20 है, तथा जो कान्द्राक्टर्स एरिया,  
जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जमशेद-  
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० जी० वैद्य बन्ध स्व० गोपाल नारायण वैद्य,  
कान्द्राक्टर्स एरिया, जमशेदपुर-1। (अन्तरक)
2. श्री दिनेश वी० पारीख, मिथिला मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड,  
जमशेदपुर-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 0.142 एकड़ है तथा इसके साथ मकान  
जिसका टिस्कोहो० सं० 20 है और जो कान्द्राक्टर्स एरिया, जमशेद-  
पुर शहर में स्थित है।

अजय कुमार सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० III -128/अर्जन/75-76/1878—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० प्लॉट सं० 71, सकिल सं० 6 है, तथा जो  
मेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन  
8-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
10—426 GI/75

1. मुजफ्फरपुर होसियारी इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसीज (प्रा०),  
लिमिटेड, बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद साबू  
(प्रबन्ध निदेशक)। (अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रावती सिंहा जीजे श्री विनोद कुमार सिंहा,  
सा० मन्त्रनिया कुआ, थाना पीरवह, जिला पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 1125 वर्ग फीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट  
सा० फ्रेजर रोड, पटना, हो० सं० 349 (नया) अब हो० सं० 349/  
2 का हिस्सा, म्यु० प्लॉट सं० 71, सकिल सं० 6, बार्ड सं० 10  
(नया) इत्यादि। जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4506 दिनांक  
8-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी, 1976

निर्देश सं० III-129/अर्जन/75-76/1879—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना, आयकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मू० प्लॉट सं० 71, सर्किल सं० 6 है, तथा जो  
फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मुजफ्फरपुर होमियरी इन्डस्ट्रीज तथा एंजिनीज (प्रा०)  
लिमिटेड, विरला मन्दिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद  
साबू (प्रबन्धनिदेशक) । (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार सिंहा वन्द स्व० शिवनन्दन प्रसाद एवं  
श्रीमती चन्दावती सिंहा जोई श्री विनोद कुमार सिंहा, सा० मखनिया  
कुम्रं, थाना-पोरवहोरा, जिला-पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 500 वर्ग फीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट  
सा० फ्रेजर रोड, पटना ह० सं० 349 (नया) अब ह० सं० 349/2  
का हिस्सा एव म्यु० प्लॉट सं० 71, सर्किल सं० 6 जिसका वर्णन  
दस्तावेज सं० 4508, दिनांक 8-5-1975 में पूरा है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976

मोहर

प्ररूप आर्डि० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० 111-930/अर्जन/75-76/1880---यतः मूले,  
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-  
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० म्यु० प्लॉट सं० 71, सकिल सं० 6 है, तथा जो  
फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वारताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्री मुजफ्फरपुर होसियरी इन्डस्ट्रीज तथा एंजेंसीज (प्रा०)  
लिमिटेड, बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद  
साबू (प्रबन्ध निदेशक)। (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार एन० अजमेरा वल्द श्री एन० एन०  
अजमेरा, सा० मच्छरहट्टा, पो० पटनासिटी, जिला पटना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का शेरुका, रकबा 1025 वर्गफीट (820--205)  
के साथ कुछ हिस्सा में बनावट, सा० फ्रेजर रोड, पटना हो० सं०  
349 (नया) अब हो० सं० 349/2 एवं म्यु० प्लॉट सं० 71 का  
हिस्सा, सकिल सं० 6, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4509, दिनांक  
8-5-75 में पूरा है।

अजय कुमार सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० III-131/अर्जन/75-76/1881—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज  
बिहार, पटना

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० म्यु० प्लैट सं० 71, सकिल सं० 6 है, तथा  
जो फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मुजफ्फूरपुर होसियरी, इन्डस्ट्रिज तथा एजेंसिज (प्रा०) लि०  
बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद साबू  
(प्रबन्ध निदेशक)।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार एन० अजमेरा, बल्द श्री एन० एन०  
अजमेरा, सं० मच्छूरहट्टा, पोस्ट पटना सिटी, पटना  
श्रीमती कंचन गौरी जौजे श्री गुणवन्त राय जानी एवं  
श्रीमती सुधा जानी, जौजे श्री जे० के० जानी (वकील)  
सा० रोड नं० 6-सी, राजेन्द्र नगर, पटना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्योहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का दो टुकड़ा रकबा 700 वर्ग फीट (500+200) के  
साथ कुछ हिस्सा में बनावट जोकि फ्रेजर रोड, पटना में है और जो  
म्यु० सं० प्लैट सं० 71, एवं हो० सं० 349 (नया) अप 349/2  
का हिस्सा है एवं जो सकिल सं० 6 में है इत्यादि और जो दस्तावेज  
सं० 4511, दिनांक 8-5-75 में पूर्णतया वर्णित है।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 7-1-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 6 जनवरी, 1976

निदेश सं० III-132/अर्जन/75-76/1882---यत मुझे,  
अजय कुमार मिहा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
परिक्षेत्र बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० म्यु० प्लॉट सं० 71 सॉकिल सं० 6 है, तथा जा  
फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन  
8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मुजफ्फरपुर होमियर इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसोज (प्रा०) लि०  
बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद राबू  
(प्रबन्ध निदेशक) ।

(अन्तरक)

2. श्री बिनाद कुमार सिन्हा, वलद स्व० शिवनन्दन प्रसाद  
सा० मखनियों कुआ रोड, थाना, पीरहोर, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन की अवधि तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन रकबा 1125 वर्गफीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट  
है जो फ्रेजर रोड, पटना में है तथा जो म्यु० प्लॉट सं० 71 एब  
हो० सं० 349 (नया) अब 349/2 का हिस्सा है और सॉकिल  
सं० 6 है, इत्यादि और जो दस्तावेज सं० 4512, दिनांक 8-5-75  
में पूर्ण तथा वर्णित है ।

अजय कुमार सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 7-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० III-133/अर्जन/75-76/1223—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० प्लैट सं० 71, सकिल सं० 6 है, तथा जो  
फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
गणित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मुजफ्फरपुर होमवरी इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसीज (प्रा०) लि०  
बिरला मंदिर रोड, पटना द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद सावू  
(प्रबन्ध निदेशक) ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंचन गौरी जौजे श्री गुणवन्त राय जानी एवं  
श्रीमती सुधा जानी जौजे जे० के० जानी, सा० रोड  
नं० 6-सी, राजेन्द्र नगर, पटना-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का दो टुकड़ा रकबा 1025 वर्गफीट (820+205)  
के साथ कुछ हिस्सा में बनावट सा० फ्रेजर रोड, पटना हो० सं०  
349 (नया) अब 349/2 एवं म्यु० प्लैट सं० 71, का 9 हिस्सा  
सकिल सं० 6, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4510, दिनांक  
8-5-75 में पूरा है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 7-1-76

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976

निदेश सं. आई० ए० सी०/एम०/भोपाल/75-76—यत् मुझे श्री वी० कु० सिन्हा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी म० मकान है, जो शिवपुरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवपुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में पूर्ण किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहुए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहरलाल पुत्र श्री सरदारी लाल नरुला, निवासी शिवपुरी। (अन्तरक)

2. श्री सत्यपाल, बनारसी दास पुत्र श्री देशराज नरुला निवासी शिवपुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान स्थिति शिवपुरी, एरिया, 1260 वर्ग मीटर।

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रारूप आर्टि० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी/ए० व० भोपाल/75-76---यतः

मुझे, श्री बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पालीराव पुत्र राम पटेल (2) मोहन पुत्र बालीराव मन्म जो० वाली राय निवासी एनपुरा, राबेर, जिला जलगांव (अन्तरक)
2. श्री किशोर पुत्र जगन्नाथ पटेल, एम०जी० श्री जगन्नाथ पुत्र नारायण पटेल, निवासी निमनदाद राय निवारी पोस्ट शेखपुरा, बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान, एरिया जमीन 40.18 एकड़ एरिया मकान 432 वर्ग फीट ।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/75-76—यतः  
मुझे श्री वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—426GI/75

1. श्री गोविन्द पुत्र तुलसीराम खण्डेलवाल, निवासी 415  
एम० जी० मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)
2. मैसर्स सेंट्रल सर्किट फेन एसोसिएशन द्वारा अध्यक्ष  
श्री संतोष सिन्हा भी लैन, 562 एम० जी मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन स्थिति नया देवास रोड, इन्दौर सर्वे नं० 259/1 और  
260 होटल एरिया, 6.73 एकड़ पेकी 125 00 वर्ग फीट।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्बी०/भोपाल/75-76-यतः,  
मुख्य वी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पति देवेन्द्र कुमार निवासी बजाज  
खाना जोरा । (अन्तरक)

2. मैसर्स सेन्ट्रल सर्किट केन एसोसिएशन द्वारा श्री अध्यक्ष  
संतोष सिंह जी जैन, निवासी 562 एम० जी० मार्ग  
इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन एरिया 6250 वर्ग फीट सर्वे नं० 259/1 और 260  
स्थिति नया देवास रोड, इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-1-76  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश स० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/75-76—अतः  
मुख्य श्री बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी स० जमीन है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सावित्री देवी पनी देवेन्द्र कुमार निवासी  
बजाज खाना जोरा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सेन्ट्रल सरकिट केन एसोसिएशन भुसावल  
द्वारा अध्यक्ष संतोष सिंह जी जैन निवासी 562 एम० जी०  
मार्ग, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

जमीन एरिया 6250 वर्ग फीट सर्वे न० 259/1 और 260  
स्थित नया देवास रोड, इन्दौर ।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 6-1-76

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवबी०/भोपाल/75-76—अतः  
मुझे श्री बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है, जो इन्दौर में स्थित  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नारायण पुत्र भागीरथ जी सराफ निवासी 10  
तिलक पथ, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री रामकुमार पुत्र पुनमचन्द जी गर्ग निवासी 58,  
देवी अहिल्या मार्ग, (जैल रोड), इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान, प्लॉट एरिया 675 वर्ग फीट मकान नं० 2  
190 एरिया 450 वर्ग फीट स्थित तिलक पथ इन्दौर।

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3-1-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/75-76—अतः  
मुझे, श्री बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या जमीन है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दमोदरनाथ जी जमींदार,  
छोटा रेवाला इस्टेट, इन्दौर ।  
56 राव की बाजार मन रोड, भागवती निवास, इन्दौर ।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स फालोदी ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन  
9 जवाहर मार्ग, इन्दौर,  
द्वारा श्री जमनालाल पुत्र मांगीलाल गुप्ता महाजन  
निवासी 3/4 नोर्थ, राव मोहल्ला, इन्दौर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन एरिया, 676 वर्ग फीट वाल, न० 3632, पे० न०  
66-73, रजि० न० 3336 ।

वि० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976]

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/75-76—अतः,  
मुझे श्री वी० कु० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या जमीन है, जो देवास में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
1908 का 16) के अधीन 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री बाबूराम पुत्र बैनीराम ब्राह्मण निवासी भोरासा,  
सोनकच्छ, देवास।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सेसाराम पुत्र घासीराम माली, निवासी  
भोरासा, देवास।

(2) श्री दिनेश पुत्र मदनलाल माली एम० जी०  
मोहनलाल पुत्र घासीराम माली  
निवासी भोरासा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन

खसरा नं०	एरिया
718	1/3
746/1	1/2
747/1	1/2
749	1/3
752	2/3/9
753/1	1/2
759/2	1/3
<hr/>	
टोटल।	5/1 एकड़

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नाथूराम पुत्र वैनी राम ब्राह्मण  
निवासी भोगमा, सोनकच्छ, जिला देवास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/75-76—अतः,  
मझे श्री बी० कु० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या जमीन है, जो देवास में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री मुन्नालाल मोहनलाल माली,  
निवासी भोरासा, देवास।  
(2) श्री लक्ष्मीनारायण पुत्र घासीराम माली, निवासी  
भोरासा, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन

खसरा नं० 750, एरिया 4-1 एकड़।

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/308—यतः मुझे सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी-42 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 जन, 1975 को पूर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 (1) श्री भोपाल सिंह, शेखावत पुत्र श्री फूल सिंह स्वयं एवं स्वाभाविक संरक्षक उसके बच्चे :—

(1) चेतन सिंह (2) राजेश कंवर (3) माल सिंह, (4) विजय सिंह (5) महेश कंवर।

(2) श्रीमती गोपाल कंवर पति श्री भोपाल सिंह शेखावत, स्वयं एवं उसके बच्चों की स्वाभाविक संरक्षक :—

(1) चेतन सिंह (2) राजेश कंवर, (3) माल सिंह (4) विजय सिंह तथा (5) महेश कंवर।

निवासी डी-42, बनीपार्क, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री अरुण पारीख पुत्र श्री उमराव सिंह पारीख निवासी डी-1, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'फूल निवास' जो प्लॉट नं० डी-42, हाथी बाबूजी मार्ग, बनीपार्क, स्कीम ई, जयपुर में स्थित है और विस्तृत रूप से उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 1732 दिनांक में 3-6-75 विवरणित है।

सी० एस० जैन  
[सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर]

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी-ए-5/हवेली-I/जुलै, 75/260—यतः मुझे, एच० एस० औलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 42, हिस्सा नं० 1-2 ए० फा० और नं० 481, प्लॉट्स 9 से 12 तक है, तथा जो पर्वती, पूना-9 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-I, (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरुण वामन, आपटे,  
1957, माडीवाले, कालोनी, सदाशिव पेठ, पूना-30  
(अन्तरक)
2. आपसी सहकारी गृह रचना संस्था, भर्गावित,  
चेयरमैन—श्री श्री० एल० मेहेंदके,  
सेक्रेटरी—श्री वायू० जी० कोश,  
481, पर्वती, पूना-9  
(अन्तरिती)

बिल्डिंग क्रमांक 1

3. (1) सौ० विजया मधुकर आपटे (2) श्री विष्णु लक्ष्मण मेहेंदके (3) श्री गोविन्द काशीनाथ चिरमे (4) सौ० माणिक प्रभाकर इनामदार, (5) सौ० अनुराधा मनोहर जोशी, (6) श्रीयुत नारायण दत्तात्रेय, फडके (7) सौ० वृन्दा अरविद खुर्जेकर (8) श्री रमणलाल हिरलाल शंवर, (9) श्री एस० सी० जठार,  
बिल्डिंग क्रमांक 2

(10) सौ० सुनंदा केशवराव मोहिते (11) सौ० कुसुम बालकृष्ण पुरंदरे (12) श्री नारायण सिताराम भागवत (13) सौ० सुष्मा जगन्नाथ फडके, (14) श्री सुहास माधव भोरात (15) कु० लिला रामकृष्ण रानडे (16) श्री यशवंत गजानन कोशे (17) सौ० ज्योत्स्ना सुरेश पटवर्धन, (18) सौ० सुभांगी नारायण विचारे ।

बिल्डिंग क्रमांक 3

(19) श्री शरद कृष्णजी मोडक (20) श्री श्रीधर नारायण जोशी, (21) श्री वसंत पुरुषोत्तम सातपुते (22) श्री अनिरुद्ध सिताराम राजबाडे, (23) श्री वसंत कृष्ण जी सुंगवेकर (24) श्री भास्कर पाडुरंग आंगल, (25) श्री पाडुरंग सोपानराव दोरजे (26) श्री अनिल गोपाल जोशी, (27) श्री हरिभाऊ घोडोबा भाऊवलंकर ।

सभी रहने वाले 481 पर्वती पूना-9 ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन और इसके ऊपर के सोन बिल्डिंग सं० नं० 42, हिस्सा क्र० 1-2 ए० एफ० पी० नं० 481, प्लॉट्स क्र० 9, 10, 11 और 12, कंपाऊंड वॉल, पंपास, टंक ह० ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1627, जुलाई, 75 में सब-रजिस्ट्रार हवेली-I, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

एच० एस० औलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० 5/325/75-76—अतः, मुझे जे० एम० मेहरा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० न० 254 डी, प्लॉट नं० 1/6, 253 ए, प्लॉट  
हि-3/1 और 254 ए प्लॉट हि० नं० 3 (पार्ट) सी० टी० एस० नं०  
5893 है, जो घाटकोपर, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
म और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 28-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री चिमनलाल उमाजी शहा ।

(अन्तरक)

2. (1) पोपटलाल पुनमचन्द शहा
- (2) कोकिलाबेन प्रतापचन्द शहा
- (3) विनोद कुमार कानजी भाई पटेल,
- (4) नेमचन्द कस्तुरचन्द शहा
- (5) अरविन्द कुमार नेमचन्द
- (6) बाबूलाल वाडिलाल शहा

(अन्तरिणी)

3 (बे व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

सद्वचर अधिधारियों के नाम

- |      |                            |
|------|----------------------------|
| एम   | (1) लक्ष्मीबेन मनोलाल      |
|      | (2) कानकुमार जगजीवन        |
|      | (3) बाबुभाई सरूपचन्द       |
|      | (4) वाई० गन० तिवारी,       |
| जे   | (1) चुनीलाल देवजी          |
|      | (2) तुलसीदास हरीराम        |
|      | (3) कस्तुरबाई धरमजी        |
|      | (4) छबेरबाई जयराम          |
| जी   | (1) मोतीबेन कुवरजी         |
|      | (2) बासराम करमसी           |
| सी   | (1) मंदराजी लुकाजी         |
|      | (2) भागोजी बाबाजी ठाकोर    |
|      | (3) मन्साबाई मोरारजी       |
|      | (4) सालिग्राम सारजा प्रसाद |
| ई    | (1) दाह्याभाई वसंतजी       |
|      | (2) हिम्मत भाई मेरामभाई    |
|      | (3) लाभशंकर कासीराम पंड्या |
|      | (4) संकलचन्द के० शहा       |
|      | (5) रामजी जीवाभाई          |
|      | (6) भवानजी जीवाभाई         |
|      | (7) मधुभाई नरोत्तमभाई दवे  |
| डी   | (1) प्रभुदास मुलजी भाई     |
|      | (2) गंगाबेन नरहराम सोलंकी  |
| मी   | (1) बाबूभाई दलपतभाई तमलर   |
|      | (2) वसंतीबेन विठ्ठलदास     |
|      | (3) रामदेव रामबोलवन        |
|      | (4) सोनु पांडु             |
| एच/1 | (1) शशिकान्त रतिलाल        |
|      | (2) जयन्तिलाल रतिलाल       |
|      | (3) ताराचन्द मलोकचन्द      |

- (4) शशिकान्त अमरचन्द  
(5) जीवनदास कानजी  
(6) बाबुलाल गोपालजी  
(7) नवलचंद गोपालजी  
एच/2 (8) श्याम नानालाल कोतवाल  
(9) पंडित भगवतीचार्य  
(10) जुमनाबेन खिमजी कपाडी  
(11) शिवाजी केशवजी सीनी  
(12) नटवरलाल डी० शहा  
(13) माधवजी खटाव

- एफ/ (1) तुलसीदास भानजी पुरोहित  
(2) मधु बाबाजी  
(3) पांडु बाबाजी  
(4) देव लक्ष्मण

- बी (1) हसराम पांचाल  
(2) चंद्र कांत अर्जन  
(3) रजनाकांत पुंजालाल  
(4) वसन्तजी कुंवरजी  
(5) लक्ष्मीबाई मुलजी

- वी (1) मुलजी कुंवरजी  
(2) लालजी भानोजी  
(3) प्रेमजी परपोत्तम

- ए. मासिक लीज लक्ष्मीबाई हरदोसदम  
पी. मासिक लीज कानजी विरजी  
एन. मासिक लीज तुलसीदास हरीराम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में बम्बई उपनगर जिले के घाटकोपर स्थान पर स्थित एवं अवस्थित गैरकृषि भूमि (नान एग्रीकल्चरल लैंड) का मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जिसमें पहले चार भूखंड थे लेकिन जिन्हें अब उस पर बने आवासियों, मकानों, गृहवाटिकाओं सहित एक बना दिया गया है वह माप में 6819 वर्ग गज अर्थात् 7206,35 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा जिसका एग्रीकल्चरल सर्वेक्षण सं० 254-डी, सं० सं० 253-ए, प्लॉट हिस्सा नं० 3/1, और सर्वेक्षण नं० 254ए. प्लॉट हिस्सा नं० 3 (पार्ट) प्लॉट हि० नं० एन्ट्री नं० 858 सी० टी० एस० नं० 5893 सीट नं० 2 है तथा जिसका निर्धारण बृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल द्वारा वार्ड सं० "एन" 184, 187, 188 (1), 190(1), 190 (2), 192 स्ट्रीट सं० 176-177, 178, 175, 175-ए, 179, महात्मा गांधी रोड, वार्ड नं० एन० नं० 185, 186, 190(4), 192(1) (1ए), 192(1ए), 192(2), 193(2), 193(7), स्ट्रीट सं० 450, 449, 448, 534, 436, 534ए, 388, 389, 412 और 389 सी० महात्मा गांधी रोड, और वार्ड "एन" सं० 193(9) स्ट्रीट सं० 389 एक, महात्मा गांधी रोड, के अन्तर्गत किया गया है तथा जो निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :— पूर्व में अथवा पूर्व की ओर मंदिर है और अंशतः सार्वजनिक रोड है, जिसे तिलक मार्ग कहते हैं पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर में सार्वजनिक सड़क है जो कि घाटकोपर से चेंबर की ओर जाती है तथा जिसे महात्मा गांधी मार्ग कहते हैं, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्रापटी है, जिसे गैर कृषि योग्य जिसका सर्वे नं० 254ए, है तथा जो शिमजी नागजी कोठारी का है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर विरजी माधवजी की प्रापटी है, जोकि धर्मशाला के रूप में इस्तेमाल की जाती है तथा जिसका गैरकृषि योग्य सर्वे सं० 253 बी है।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 2-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० अमोहर/226/75-76—यत मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट्स है तथा जो अमोहर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेण कुमार सुपुत्र श्री मदन लाल नागपाल, वासी अमोहर मण्डी, मार्फत मैसर्स ठबवाली, फाजिल्का ट्रांसपोर्ट कं० अमोहर । (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज नागपाल पत्नी श्री मोहन लाल नागपाल, (मालिक सन्दीप सिनेमा, अमोहर) वासी फाजिल्का । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरा एदार, यदि हों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 223, 225, 243 तथा 245 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 300, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमोहर में है ।

बी० आर० सगर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० अबोहर/227/75-76—यतः मुझे, बी० आर०  
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट्स है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री नरेण कुमार सुपुत्र श्री मदनलाल नागपाल, वासी  
अबोहर मण्डी, मार्फत मैसर्स ठक्काली फाजिल्का ट्रांसपोर्ट कं०,  
अबोहर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज नागपाल, पत्नी श्री मोहन लाल नागपाल,  
(भास्विक सन्दीप सिनेमा, अबोहर) वासी फाजिल्का।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (बहु  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 224, 226, 242 तथा 244 जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख, नं० 362, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अबोहर में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 9-1-1976

मोहर .

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/228/75-76—यतः मुझे वी० आर०  
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर, तहसील में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह, गुलजार सिंह तथा जरनैल सिंह सुपुत्रान  
श्री अमर सिंह, गांव अबन्तीपुरा या अनायतपुरा, तहसील ब जिला  
अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स शंघाई शिल्क, कश्मीरी रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोद्विस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्विस्तक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख  
नं० 1467, 1468 व 2322 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/229/75-76—यत् मुझे, बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जर्नल सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह बामी बटाला रोड,  
तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स जंघाई शिल्क, कश्मीर रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-  
बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. भाग सम्पत्ति, बटाला रोड, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 1468 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर तहसील में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/230/75-76—यत. मुझे, वी०

आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई  
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह वासी बटाला रोड  
तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2 मैसर्स शम्शाई सिल्क, कश्मीर रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-  
बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग सम्पत्ति, बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख न० 1467 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर9/231/75-76—यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,  
1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13-426G1/75

1. श्री गुलजार सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह, गांव भवन्तीपुरा  
या अनायतपुरा, तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स शंघाई सिल्क, कणमीर रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, सम्पत्ति बटाला रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत बिलेख नं० 2322, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए०एम०आर०/232/75-76—यतः मझे, बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि का प्लॉट न० 44 है तथा जो ग्रीन एवेन्यू  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि करने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1 श्री सुरिन्द्र सिंह कटारिया, सुपुत्र श्री विजय सिंह, कटारिया  
कूचा ग्रहड़ मल भाटिया, पोती बाजार चावल मण्डी, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री मदनलाल सुपुत्र श्री बनारसी दास कटडा, आहलूवालिया  
अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराणदार, यदि हो। (वह  
व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 44, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 579, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9 जनवरी, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

नदण म० ए० एस० आर०/233/75-76--यत मुझे, वी०  
आर० मगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो बसन्त एक्वेन्यू, अमृतसर में  
स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई,  
1975 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वारितवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1 श्री गुरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह वासी क्वीन्ज रोड,  
अमृतसर। (अन्तरक)
- 2 श्री जमपाल सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह वासी क्वीन्ज रोड,  
अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में राँच रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, बसन्त एक्वेन्यू अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख न० 398 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर  
में है।

वी० आर० मगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, अमृतसर

तारीख 9-1-1976  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर० /234/75-76—यत. मुखे,  
बी० आर० नगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो 17 आर० बी०  
रतनचंद रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्रीमती लाजवंती सुपुत्री काशी राम पत्नी श्री कमन लाल  
अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० बी० रतनचंद रोड, अमृतसर ।  
(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार तथा रोमेश कुमार सुपुत्रान श्री अमर  
दास वासी आर० बी० रतनचंद रोड, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो । (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-  
बद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 सम्पत्ति न० 17 आर० बी० रतनचंद रोड, अमृतसर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 521 व 522 मई 1975 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० नगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9-1-76  
माहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निदेश सं० अमृतसर/235/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो 17 आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती लाजवन्ती सुपुत्री काशी राम पत्नी श्री चमन लाल अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार सुपुत्र श्री अमर दास, वासी आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरिनी)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सम्पत्ति, आर० बी० रत्नचंद रोड, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 522, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

आर० बी० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०/236/75-76—यतः मुझे, बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो आर० बी० रत्न चंद रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लाजवंती सुपुत्री की कन्या राम पत्नी श्री चमन  
लाल, अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० बी० रत्न चंद रोड,  
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री रोमेश कुमार सुपुत्र श्री अमर दास वासी आर० बी०  
रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध  
है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सफ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सम्पत्ति 17 आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर, जैसा  
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 521 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में है।

आर० बी० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1 आरकाट दनकोटी चैरिटेबल ट्रस्ट, मद्रास-34।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश सं० IX/1/29/75-76--यतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, जो हारिटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र 3548/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. केराम होटल्स (पी०) लिमिटेड, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बानुसूची

मद्रास-31, हारिटन रोड, डोर सं० 1 (आर० एस० सं० 355/1) में 47 आउन्ड डोर 2292 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 12-1-1976

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जे० एच० तारापूर, मद्रास-31 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पूरनचन्द गुप्ता, और सरस्वती देवी, मद्रास-10  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० IX/3/153/75-76—यतः मुझे, जी० रामनातन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
12 है, जो लान्डन्स रोड कीलपाक, मद्रास-10 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (प्ल सं० 3207/75) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
3-5-1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, लान्डन्स रोड डोर सं० 12 (आर० एस० सं० 151/  
1), में 6 ग्राऊन्ड्स और 950 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान  
के साथ)।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

तारीख : 12-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० कनकासभापति, मदुरै-5। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सिंगारम, मदुरै-1। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1976

निर्देश सं० X/10/17/75-76—यतः मुझे जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 4 है, जो गुड वेड स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पुत्तुमन्डपम, मदुरै प्लॉट सं० 831/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—426GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, गुड वेड स्ट्रीट, डोर सं० 4, टी० एस० सं० 689/1 में 3030 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जी० गुरेन्द्र कुमार, 3-6-20 वशीरवाड़ा, हैदराबाद  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश सं० आ० ए० सी० 227/75-76—यतः मुझे, के०  
एस० वेकट रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/9/1111 है, जो किंग खोटी हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2. श्री परमेश्वरी देवी, ग्यान वाती, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग सं० 4 और 6 के 5/9/111 का भाग किंग खोटी हैदरा-  
बाद क्षेत्रफल 497 वर्ग गज है।

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश सं० डी०एल०आई०/137/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० भूमि क्षेत्रफल 8 एकड़ 3 मरले पर फँकटरी बिल्डिंग और शौड है तथा जो गोविन्दपुरी गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 सर्वश्री	} हिस्सेदार
(1) गोविन्द राम	
(2) भगवान दास	
(3) गिरधारीलाल	
(4) श्रीमती प्रेमलता	} हरियाणा वनस्पति एण्ड जनरल मिलज, गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनीपत (हरियाणा) ।

(अन्तरक)

2 मुख्य अधिकारी

मैमर्स रसोई वनस्पती एण्ड इन्डस्ट्रीज, लिमिटेड,  
(जिसका पहला नाम दो अपर टी कम्पनी लिमिटेड था)  
20 सर आर० एन० मुखरजी रोड, कलकत्ता-700001  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 एकड़ 3 मरले पर फँकटरी, बिल्डिंग और शौड जोकि गोविन्दपुरी गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनीपत (हरियाणा) में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 540 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख. 15-1-76  
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Macherala Sreeramamurthy, S/o Ramachandrarao  
41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) Smt. Raja Sagi Sudarsana Gopala Bhavani Devi,  
W/o Ramachandraraju, Tangedu, Vizag. Dt.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1789/75  
of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight  
ended on 30-4-1975.(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

B. V. SUBBARAO,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

तारीख 15-12-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 279/J. No. I(VSP)10/75-76.—

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

14-1-38 Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Mocherla Sreeramamurthy, S/o Ramachandrarao  
41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Smt. Raja Sagi Seetharamaraju S/o Shri Butchi  
Venkatagopalaraju Tangedu, Vizag Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1790/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 15 दिसम्बर 1975

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 280/LNo.I(VSP)11/75-76.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं०

14-1-38 Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Mocherla Sreeramamurthy, S/o Ramachandrarao  
41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Smt. Raja Sugi Ramabhadraraju, S/o Satya-  
narayanaraju, Tangedu, Vizag. Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule properly as per the document No. 1791/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Gadireddy Jagannadha Raju Door No. 8-5-23, Dafdardjung Enclave, New Delhi.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 281/I.No. KR/15/JDV/4-75.—

यतः, मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०

43/1;43/2-A and 44-2A Total land 15-52 cents at Oddula Meraka village

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Gudiwada  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) Veerla Anjeswatarao, S/o Raghavaiah, Oddula Meraka village, Gudiwada Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय  
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

The schedule property as document No. 1228/75 of the  
S.R.O., Gudiwada registered during the fortnight ended on  
15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Damera Rambabu, S/o Varahalu, Kakinada.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Smt. Merla Satyanatayanamma, W/o Krishna-murthy, Kakinada.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, काकीनाडा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

Acq. File. No. 282/J. No. I(20)EG/75-76.—

यतः, मुझे, B. V. SUBBARAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

Survey Nos 306—3, 306—4, 307—2, 313—1, 313—3,  
313—2, 315—11—315—12, and 315—13—(land  
12—35 cents) at Atchutapuratram

में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
Kakinada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 15-4-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2159/75 regis-  
tered before the S.R.O., Kakinada during the fortnight ended  
15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15 दिसम्बर 1975

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th December 1975

No. A.32014/1/75-Adm.III(1).—In partial modification of this office notification of even number dated 14-7-75, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period From 1-7-75 to 10-8-75.

No. 32014/1/75-Adm.III(2).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 27-9-75 to 11-11-75.

No. A.32014/1/75-Adm.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 17-9-75, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 1-10-75 to 15-11-75.

No. A.32014/1/75-Adm.III(4).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(5).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 17-11-75 to 2-1-76 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(6).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-1975 to 29-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(7).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(8).—The President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(10).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-11-75 to 1-1-76 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd December 1975

No. A.32014/1/74-Adm.I.—Shri P. P. Sikka, a permanent Grade II officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate on a purely *ad-hoc* basis in Grade I of the service *vide* this office Notification of even number dated the 11th September, 1975 has been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 4-12-75.

No. A.32014/1/74-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade II of Central Secretariat Stenographers' Service) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of 46 days with effect from 6-12-1975 to 20-1-1976 or until further orders, whichever is earlier.

15—426GI/65

2. Shri S. P. Sikka should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

Union Public Service Commission.

## CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; ADM. REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd December 1975

No. A-20014/29/75-AD-1.—Shri Aidan Ram, an officer of Rajasthan Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I. Jaipur Branch on the afternoon of 9-12-75 on repatriation to the Rajasthan Police.

The 24th December 1975

No. A31013/1/75-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri H. Bhisham Pal, Officiating Information Officer, CBI as Information Officer, CBI in a substantive capacity with effect from 1st July, 1975.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer(E)  
C.B.I.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSIONER

New Delhi, the 19th December 1975

No. 2/49/75-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. K. Sanyal, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, as his Private Secretary, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 18th December, 1975, until further orders.

The 20th December 1975

No. 2/21/75-Adm.(i).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Rabinder Nath, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16th December, 1975, until further orders.

No. 2/21/75-Adm.(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Brahm Dutt, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 18th December, 1975, until further orders.

The 22nd December 1975

No. 4/5/75-Adm.—Consequent on his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in Air India, on deputation basis, Shri S. N. Bhalla, Research Officer, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post in the Commission on the afternoon of 22nd December, 1975.

No. 4/2/75-Adm.—Consequent on his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in the India Tourism Development Corporation, New Delhi on deputation basis, Shri S. D. Punhani, Section Officer, Central Vigilance Commission, relinquished Charge of the post in the Commission on the forenoon of 22nd December, 1975

The 24th December 1975

No. 2/20/74-Adm.—The Central Vigilance Commissioner, hereby appoints Shri Jayaker P. Johnson, I.A.S. (AP : 1958) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 12th December, 1975, until further orders.

No. PF/M/6-G.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri N. G. K. Murthy, Technical Examiner, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post on the forenoon of 1st December, 1975.

B. V. DIGHE  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd December 1975

No F 2/33/75-Estt (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis the following DY-Ssp (Coy Comdres /QMs) as Assistant Commandants in the CRP Force until further orders

2 Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each —

Sl No	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of holding over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	Shri Mubhtiat Singh	Asstt Principal RTC I CRPF, Barwaha	24-7-75 (A N)	Asstt Comdt 59th Bn. CRPF	2-8-75 (A.N.)
2	Shri A S Rathore	DY SP (Coy Comdr/QM) 51st Bn CRPF	1-8-75 (F N)	Asstt Comdt. 51st Bn CRPF	1-8-75 (A.N.)
3	Sri Sant Prakash Singh	Asstt Principal CTC I CRPF	18-8-75 (F N)	Asstt Comdt. CTC. I CRPF	18-8-75 (F.N.)
4	Shri Sun ler Singh	DY SP (Coy Comdr /QM) 34th Bn CRPF	9-9-75 (F N)	Asstt Comdt 46th Bn CRPF	22-9-75 (F N.)
5	Shri Gaj ndei Singh	DY SP (Coy Comdr/QM) 24th Bn CRPF	9-9-75 (A N)	Asstt Comdt GC CRPF, Deoli	15-9-75 (F.N.)
6	Shri Jagit Singh	DY SP (Coy Comdr/QM) GC CRPF Rampur	15-10-75 (A N)	Asstt Comdt 59th Bn CRPF.	27-10-75 (F.N.)
7	Shri D K Khurana	Asstt Principal CTC I CRPF	18-8-75 (F N)	Asstt Comdt CTC. I CRPF	18-8-75 (F N)

The 22nd December 1975

No O II 1020/75 Estt—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr Upendra Mohanty, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis for the period from 5-5-75 to 6-5-75

No O II-28/69-Estt—Consequent on the expiry of his term of re employment in the CRP Force, Lt Col Umrao Singh, relinquished charge of the post of Principal CTC I CRPF Neemuch on the afternoon of 4th Dec, 75

A K BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003 the 20th December 1975

No E-38013(3)/6/75-Ad I—On transfer to Talchar, Shri T K Banerjee, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant Rourkela with effect from the afternoon of 24th November 1975

No F-31015(1)/1/75 Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant F P Basu to officiate as Commandant Central Industrial Security Force Unit Durgapuri Steel Plant, Durgapuri with effect from the Forenoon of 10th December 1975 until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date

No F 31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant B Dalai to officiate as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Paradeep Port Trust with Headquarters at Paradeep with effect from the Forenoon of 8th December 1975 until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date

No F-38013(3)/23/75 Ad I—On transfer from New Delhi Shri G S Sandhu assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit Bharat Heavy Electrical Ltd (Heavy Electrical Equipment Plant) with Headquarters at Hardwar with effect from the Afternoon of 7th December 1975

No E 31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant N N Mohanty to officiate as Commandant Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant Rourkela with effect from the Forenoon of 8th December 1975 until further order and assumed the charge of the said post with effect from the same date

No E-31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant V G Thatte to officiate as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bank Note Press, Dewa, with effect from the Forenoon of 11th December 1975, until further order and assumed the charge of the post with effect from the same date

L S BISHT  
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 24th December 1975

No 11/7/75-Ad I—The President is pleased to appoint Shri Tirath Das Assistant Central Tabulation Officer in the office of the Registrar General India as Deputy Director of Census Operations Madhya Pradesh on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 6 months with effect from the date of his assuming charge of the post or until further orders whichever is earlier

The headquarters of Shri Tirath Das will be at Bhopal

The 27th December 1975

No 10/6/75-Ad I—In continuation of this office notification No 10/6/75 Ad I dated the 26th August, 1975, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri S N Chaturvedi as Deputy Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General India with effect from 17th November 1975 upto 16th February 1976

R B CHARI  
Registrar General, India &  
*ex-officio* Joint Secy

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPT OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad the 23rd December 1975

No 7(46)/ —Further to this office notification No 7(36)/3834 dated 24th June 1975 Shri S J Shirsat, is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for a further period upto 29-2-1976

R VISWANATHAN  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL  
REVENUES

New Delhi, the 23rd December 1975

No Admn-I/O O No 755/5-5/Promotion/3265 —The Accountant General, Central Revenues has appointed the following permanent Section Officers of this office, to officiate as

Accounts Officers, in the time Scale of Rs. 840-1200, w.e.f. the dates shown against their names, until further orders :—

*Name, Date of promotion and as Accts. Officers :*

1. Shri I. R. Gupta, S.O.—17-12-1975 (FN).
2. Shri S. Mitra, S.O.—17-12-1975 (FN).

H. S. DUGGAL  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi-110031, the 20th December 1975

No. 6244/A-Admn/130/75.—The following officers of the Audit Department Defence Services retired from service on the dates shown against each :—

1. Shri K. Vaidyanathan, Offg. Audit Officer—30-11-75 (AN).
2. Shri C. D. Ailawadi, Sub. Audit Officer—5-12-75 (AN).

SMT. GIRIJA ESWARAN  
Sr. Dy. Director of Audit, DS

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta-16 the 22nd December 1975

No. 54/75/G.—On attaining the age of superannuation Shri R. N. Swamy, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th September, 1975/AN.

M. P. R. PILLAI  
Assistant Director General, Ordnance Fvs.

#### MINISTRY OF LABOUR

##### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivan Nagar, the 23rd December 1975

S. R. No. 8(25)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 and in supersession of this office Notification No. P-8(25)67 dated the 30th December, 1971 as subsequently amended, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee at its meeting held on 26-10-1975 constituted the Finance Sub-Committee consisting of the following members :—

*Chairman*

1. The Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad.

*Member*

2. Shri B. L. Wadehra,  
Mg. Director,  
Central Coalfields Ltd.,  
Darbhanga House, Ranchi.

*Employers' representatives.*

3. Shri O. Maheepathi,  
Director (Personnel),  
B.C.C. Ltd.,  
Karmik Bhawan,  
P.O. Saraidhela, Dhanbad.

*Workers representatives.*

4. Shri S. Das Gupta,
5. Shri Provat Goswami

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad

#### MINISTRY OF COMMERCE

##### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd December 1975

Import and Export Trade Control  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1096/75-Admn(G)/12128.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Grewal, an officer officiating in

Grade I of the CSS to officiate as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in this office with effect from 1-10-1975 (FN), until further orders.

(MISS) ROMA MAZUMDAR  
Chief Controller of Imports & Exports

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 16th December 1975

No. CER/2/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. TCS-1/20, dated the 22nd September, 1949, namely :—

In the said Notification after paragraph 8 the following paragraph shall be added, namely :—

'8A. Every producer while producing "controlled long cloth", "controlled shirting" and "controlled drill" shall include two coloured threads, fast to bleach, warpwise, all through the length and adjacent to one of the selvages.

Provided that such coloured threads shall not be inserted in non-controlled cloth.

*NOTE:* The coloured threads to be included for the above purpose shall ordinarily be in Naphthol Red colour. However in the case of printed, dyed or other coloured cloth the coloured thread to be included may be in any other alternative contrasting colour and should be clearly visible.

*Explanation:* The term "controlled long cloth", "controlled shirting" and "controlled drill" shall have the same meaning as attributed to each such item in the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated the 2nd May, 1968."

This Notification shall take effect from the first day of February, 1976.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner  
[No. CLB.1/12/71-75]

Bombay-20, the 23rd December 1975

No. FSI.1-2(611).—Shri U. A. Cherodian, Assistant Director, Grade II(NT) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, retires from service on the 29th February, 1976 afternoon after availing of Leave Preparatory to Retirement from 10-11-1975 to 29-2-1976.

VIRENDRA B. VERMA  
Director

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 9th December 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following namely :

Under Class 6—Division 2

(i) add "CORDFLEX DETONATING FUSE" before the entry "CORDTEX".

The 18th December 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

1. Add "NAMONITE" before the entry "NOBELITY".

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives

#### MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta-700013, the 20th December 1975

No. 7843/B/2222(IVR)/19A.—Shri Indluru Venkata Reddy is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th November, 1975, until further orders.

No. 7836/B/2339(BJS)/19B.—Shri Bimal Jyoti Sen Gupta, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1975, until further orders.

No. 7839/B/2222(SSG)/19A.—Shri Shibananda Sen Gupta, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st December, 1975, until further orders.

No. 7816/B/2339(AH)/19B.—Shri Anwar Hakim, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th October, 1975, until further orders.

No. 7830/B/9/58/C/19B.—Shri C. S. Venkiteswaran, Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975, until further orders.

No. 7809/B/2181(SRMR)/19B.—Shri S. R. Mukunda Rao, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18-4-1975 for joining his new appointment as Scientific Officer in the Bhabha Atomic Research Centre.

V. K. S. VARADAN  
Director General

#### DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-711103, the 11th November 1975

No. BSI-66/103/75-Estt.—On recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India hereby appoints Shri A. Khan, Office Superintendent, Central Office, Botanical Survey of India (who was under lien in the office of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal, as Provident Fund Inspector (Gr. I) to the post of Jr. Administrative Officer, Central Office, Botanical Survey of India in an officiating capacity in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis *vice* Shri M. L. Mukherjee, Jr. Administrative Officer, (officiating as Administrative Officer and now on I. P. R) w.e.f. the forenoon of 30th October, 1975 until further orders.

D. G. MOOKERJEE  
Sr. Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd December 1975

No. 4(103)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Sunil Kumar Satpathy as Programme Executive, All India Radio, Sambalpur in a temporary capacity with effect from the 1st December, 1975 and until further orders.

The 23rd December 1975

No. 5(69)/61-SI.—Shri I. Ramakrishna, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation.

No. 5(108)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohan Lal, Transmission Executive,

All India Radio, Jullundur as Programme Executive, at the same Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th November, 1975 and until further orders.

No. 4(130)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Tsering Angmo as Programme Executive, All India Radio, Leh in a temporary capacity with effect from the 22nd October, 1975 and until further orders.

The 27th December 1975

No. 4(61)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bhuvan Pati Sharma as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 17th November, 1975 and until further orders.

P. K. SINHA  
Deputy Director of Administration  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING Bombay-400026, the 23rd December 1975

No. 20/PF/48-Est.I.—The Chief Producer has retired from service Shri S. A. Rao, Permanent Newsreel Officer in the Films Division at New Delhi, with effect from the forenoon of the 10th December, 1975, under clause (i) (ii) of rule 56 of the Fundamental Rules.

K. S. KUDVA  
Administrative Officer  
for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th December 1975

No. F9-38/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Vishnu Saxena to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Madras under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 24th November, 1975 and until further orders.

The 27th December 1975

No. F9-40/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Amar Bir to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme Meerut under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL  
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 23rd December 1975

No. 16-39/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. R. Bhawe, Audit Officer (Commercial) in the office of the Accountant General (Scientific and Commercial Department), Bombay as Accounts Officer in the Medical Store Depot, Bombay with effect from the forenoon of 16th October, 1975 until further orders.

SANGAT SINGH  
Dy Director Administration (Stores)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 22nd December 1975

No. F.4-5(62)/75-A.III.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Shri A. K. Shastri has been appointed to officiate as Marketing Officer, Group III on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from the afternoon of 10th November, 1975, till further orders.



No. F.4-6(99)/75-A I.—On recommendations of the Union Public Service Commission Shri Madhukar Satoj Haiba Kosta has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing & Inspection, at Gauhati-9, with effect from 10-11-1975 (A.N.), until further orders.

No. F.4-5(63)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C. V. Neelagresvam has been appointed as Marketing Officer, Group III, on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 1-11-1975 (F.N.) until further orders.

E. S. PARTHASARATHY  
Agricultural Marketing Adviser

#### CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58, the 26th December 1975

No. 1-12/75/Estb.—Consequent on his appointment as Fisheries Development Officer, in the office of Development Commissioner-cum-Development Secretary, Andaman and Nicobar Administration, Chief Commissioner's Secretariat, Port Blair, Shri K. Vijayakumaran, Demonstrator (Fish Processing) has been relieved in the afternoon of 25-9-1975.

DR. S. N. DWIVEDI  
Director

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

##### PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 9th December 1975

No. PA/81(137)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sampurvatakara Ramaswamyier Ramachandran, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 12th December 1975

No. PA/81(131)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Research Centre appoints Shri Abdulla Saheb Tonse, a tempy. Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975 until further orders.

The 15th December 1975

No. PA/73(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Ravikant Gupta to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of November 24, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer (R)

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 22nd November 1975

No. 18(60)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri S. Ayyanar, temporary Supervisor as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

K. BALKRISHNAN  
Administrative Officer

[P-14159/R.2521.]

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 17th December 1975

No. DPS/A/32011/2/Est.—Director, Purchase and Stores appoints Shri N. Y. Arekar, a temporary Storekeeper in the

Stores Unit (DPS), TAPS, Tanapur of the Directorate of Purchase & Stores as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the Scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880 40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 10-6-1975 to 11-7-1975 vice Shri V. P. Tilloo, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

##### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th December 1975

No. A 31014/1/75-EI.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Meteorologists, Indian Meteorological Service, Class II, in a substantive capacity with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the officer	Date of substantive appointment	Office of posting
(1)	(2)	(3)	(4)

##### Direct Recruits

1. Shri Bagawat Singh	1-5-1975	Office of the Deputy Director General of observatories (Instruments) New Delhi (at present on deputation ex-India)
-----------------------	----------	--

##### Promotee :

1. Shri K. Krishna	1-3-1970	Office of the Director, Indian Institute of Tropical Meteorology, Poona.
--------------------	----------	--

The seniority of the above officers will be fixed in accordance with normal rules.

Y. P. RAO  
Director General of observatories.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd December 1975

No. A. 32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officer as Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st December, 1975 (F.N.) and until further orders and to post them at the same station :—

1. Shri K. V. Upadya, Asstt. Tech. Officer	Aeronautical Communication Stn. Madras Airport, Madras.
2. Shri R. Sampath Kumaran, Asstt. Tech. Officer	Aeronautical Communication Stn. Madras Airport, Madras.
3. Shri Sarwan Kumar, Asst. Tech. Officer.	Director, Radio Const. & Dev. Units, Safdarjang Airport, New Delhi.

H. L. KOHLI  
Dy. Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd December 1975

No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Kamalananda Ray, Communication Assistant, in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, at Aeronautical Communication Station, Calcutta as Assistant Communication Officer w.e.f. the 28th November, 1975 and to post him at the same station.

The 24th December 1975

No. A.38012/1/75-EC.—Shri P. L. Modgil, Senior Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on 30-11-1975 (A.N.) on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/75-EC.—Shri C. G. K. Rao, Assistant Com-cation Stn. Madras relinquished charge of his office on the 30th Nov., 75 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director (Administration)  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 23rd December 1975

No. A.32017/7/75-EA.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Kharab, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the 17th December, 1975 or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Kharab is posted at Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI  
Assistant Director for Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE &amp; CUSTOMS

Patna, the 12th December 1975

No. II(7)5-ET/75/12971.—Shri R. N. P. Sahu, officiating Superintendent Class-II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service with effect from 6-11-75 (F.N.) in pursuance of this office order C. No. I-G1/ Collr/Conf/74/11-8894 dated 5-8-75.

H. N. SAHU  
Collector  
Central Excise, Patna.

Allahabad, the 16th December 1975

No. 161/1975.—In pursuance of the Central Board of Excise and Customs, New Delhi's order No. 14/1975—F. No. A.1/38013/31/75-CERC(Admn), dated 6-11-1975, Shri B. B. Jaiswal, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B', posted as Superintendent (P & I) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, handed over the charge of the office of the Superintendent (P & I) Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur to Shri A. N. L. Bhatnagar, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Integrated Divisional Office, Rampur on 27-11-1975 (afternoon) and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 162/1975.—Shri D. P. Awasthi, officiating Superintendent, Central Excise Group 'B', previously posted as Superintendent (Prev.) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over the charge of the office of the Superintendent (Prev.) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 30-11-1975 (afternoon) to Shri S. N. Tewari, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 22nd December 1975

No. 168/1975.—Shri R. S. Singh, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B', previously posted as Superintendent, Central Excise, Deoria, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur, handed over the charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Deoria on 30-11-1975 (afternoon) to Shri G. P. Darbari, Superintendent, Central Excise, Gorakhpur and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 23rd December 1975

No. 169/1975.—Shri Gauri Shanker Srivastava, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II (now Group 'B') until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200, *vide* this office Establishment Order No. 314/1975, dated 23-10-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75, dated 23-10-1975, took over charge of the office of the Superintendent, Customs, Group 'B' of Lakhimpur Kheri Customs in the Customs Division, Lucknow on 10-11-1975 (forenoon), reliving Shri A. U. Haider, Superintendent, Customs Group 'B' transferred to Customs Division, Gorakhpur.

No. 170/1975.—Shri Bankey Lal Gupta, officiating office Superintendent of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate, Kanpur and appointed to officiate as Administrative Officer, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this office Establishment Order No. 208/1975, dated 29-7-1975, issued under endorsement C. No. II(3)30-Et/75/ 77805, dated 29-7-1975, assumed charge of the office of the Administrative Officer, Central Excise in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur on 29-8-1975 (forenoon). Shri P. K. Khanna, Superintendent, Central Excise, Group 'B', relinquished the additional charge of the said post, the same date and hour.

H. B. DASS  
Collector  
Central Excise, Allahabad

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, CHANDIGARH

## ESTABLISHMENT

Chandigarh, the 23rd December 1975

No. 150.—Shri S. N. Malhotra, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, New Delhi as appointed until further orders, to officiate as Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200. Shri Malhotra has assumed the charge of the post of Asstt. Chief Accounts Officer, Hdqrs. Office, Chandigarh in the forenoon of 29-11-1975.

No. 151.—Shri O. P. Sharma, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed, until further orders, to officiate as Administrative Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Sharma took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise Group-B, Jullundur in the afternoon of 29-11-1975.

No. 152.—Shri Mela Ram, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Administrative Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Mela Ram took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise Group-B, Srinagar in the forenoon of 9-12-1975.

No. 153.—Shri Daljit Singh, a permanent Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent of Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Daljit Singh assumed the charge of the post of Supdt of Central Excise, Group-B, Ludhiana in the forenoon of 3-12-1975.

K. K. DWIVEDI  
Collector

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 26th December 1975

No. 3-393/75-CH(Estt).—Shri Parkash Narain is hereby appointed to the post of Junior Hydrologist GCS Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 27-11-75 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH  
Chief Hydrogeologist & Member

#### OFFICE OF THE ENGINEERING-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 20th December 1975

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the result of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CFS Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Asstt. Ex. Engineer (Civil) with effect from the dates mentioned against their names.—

S/Shri

1. Sushil Kumar Mittal—28-11-75.
2. Vinod Kumar Gupta—2-12-75.
3. R. Sircar—1-12-75
4. B. Laha—1-12-75.

P. S. PARWANI  
Dy. Director of Administration

#### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 23rd December 1975

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 KV double circuit transmission line constructed by Northern Railway starting from Railway's Switching Station at Aligarh to Khurja Jn. Substation (Km. 1331 to Km. 1370) running parallel to the railway track in the vicinity of the nearby villages will be ener-

gised on 132 KV AC 50 cycles per second from 15-12-1975. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead traction wires will be energised on 25 KV on or after 15-12-1975 in the Section Aligarh Junction (Excl.) to Khurja (incl.) (Structure No. 1328/5 and 6 to Structure No. 1371/23-24) on and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

A. L. GUPTA  
Secy. Railway Board

#### DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-600006, the 18th December 1975

No. 143/Liqn/S.560/75.—Whereas The Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation) having its registered office at Bazaar Street, Arcot, North Arcot Distt. is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA  
Addl. Registrar of Companies  
Madras

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Nehru Stores Private Limited*

No. DN/1875/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nehru Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Unjappalayam Transports Private Limited*

No. 5947/DN/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name Unjappalayam Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Pudumai Pathippaham Private Limited*

No. DN/2126/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pudumai Pathippaham Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN  
Assistant Registrar of Companies  
Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sincere Money Enterprises Private Limited*

Hyderabad-1, the 20th December 1975

No. 885/T(560) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sincere Money Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Poona Investors Bank Limited*

Bombay, the 26th December 1975

No. 4539/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Poona Investors Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Nanubhai Export Private Limited*

Bombay, the 26th December 1975

No. 9820/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Nanubhai Export Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kishanchand Sons Private Limited*

Bombay-2, the 26th December 1975

No. 12693/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kishanchand Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN  
Addl. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Amritsar, the 24th October 1975

No. 2.—Shri D. S. Gupta, Income-tax Officer, Class I retired from Government service on 15-10-1975 afternoon.

(No. CB-4/Vol-II/1431)

The 18th December 1975

No. 3.—Shri T. N. Bansal, Income-tax Officer, Class II last posted as Income tax Officer, B-Ward, Abohar, proceeded on leave preparatory to retirement on 8-12-1975 (A.N.). On the expiry of the leave on 29-2-1976, he will retire from service.

B. R. ABROL  
Commissioner of Income Tax  
Amritsar-I

[No. CB-4/Vol-IV/1719]

Patiala-I, the 19th December 1975

#### ORDER

No. Con. 1303/Vs/841.—WHEREAS the Commissioner of Income-tax, Patiala-I, Patiala is of the opinion that it is in the public interest to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers, conferred by sub-clause (i) of clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, the Commissioner of Income-tax, Patiala-I, Patiala hereby retires Shri P. S. Gambhir, Income-tax Class-II with immediate effect, he having already attained the age of 50 years on 5-7-1971. Shri P. S. Gambhir shall be paid a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for a period of three months calculated at the same rate at which he was drawing them immediately before his retirement.

V. P. GUPTA,  
Commissioner of Income tax,  
Patiala-I, Patiala.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4233/75-76/ACQ./B—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Plot No. 20, in portion of old Survey No. 3, New Survey No. 10/2, situated at South Pattanduragahara Village, Whitefield, Krishnarajapura Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Doc. No. 814/75-76 on 8-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

16-426GI/75

- (1) Shri F. V. A. Scudder,  
Air Vice Marshal of the Indian Air Force,  
New Delhi,  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Dara C. Shroff, S/o late Mr C. P. Shroff,  
Businessman, No. 15/1, Madras Bank Road,  
Bangalore-1.  
2. Shri Zackria Hashim,  
S/o Mr. Hashim Sattar,  
Businessman, No. 11, Edwards Road, Bangalore-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 814/75-76 dated 8-5-1975]  
Vacant Plot No. 20, in portion of old Survey No. 3, New Survey No. 10/2, situated at South Pattanduragahara village, Whitefield, Krishnarajapura Hobli, Bangalore South Taluk.

Site area:—

East : 180'

West : 224'

North : 172'

South : 175' = 35,047 Sq. ft.

Boundaries :

E : Property of Capt. Ireland.

W : Plot No. 19

N : Plot No. 9

S : Panchayat Road

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C R No 62/4243/75-76/ACQ/B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No Site No 18, 19 and 20 forming part of 'Papu Cottage' situated at Tata Silk Farm, Kanakapura Road Basavanagudi Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No 373/75 76 on 15 1975 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

- (1) Shri V. Krishna Murthy S/o late Venkataramana Iyer
- (2) Shri V K Murthy
- (3) Shri V K N Rajan
- (4) Shri V K Ramu
- (5) Shri V K Sudhar and
- (6) Shri V K Kumar

Sons of Shri V Krishnamurthy, residing at Papu Cottage, Kanakapura Road, Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4

and represented by their duly constituted agent and power of Attorney Holder, Shri S C Gopalappa, son of late Channarayappa No 67, H B Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore-4

(Transferor)

- (2) Shri Chamanlal Mehra, S/o late Kharaity Ram Mehra, C/1 College St Market Calcutta-700012

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No 373/75 76 dated 1-5-1975]  
Site Nos 18, 19 and 20, together measuring 100'x55' forming part of the property known as 'Papu Cottage', Kanakapura Road Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4, and covered by Corporation Nos 36/1, 36/2, 36/2A and 37 of the 34th Division of the Corporation of Bangalore

Boundaries

East Site No 17  
West Proposed Road  
North Site Nos 6, 7, 8 and 9 and  
South Proposed Road

R KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely .—

Date 20-12 1975

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C. R. No. 62/4264/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rear portion of the Vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12) situated at Charles Campbell Road (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore—Document No. 686/75-76 on 21-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(1) Mrs. Mary Oommen,  
W/o late Lt. Oommen, represented by her special power of Attorney Holder, Shri M. K. Thomas, S/o late Sri Kochuman, No. 9, Rhenius Street, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri K. J. Asoka Raj, S/o  
Sri K. V. Jacob,  
No. 2, Lewis Road, Cooke Town,  
Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 686/75-76 dated 21-5-1975]  
Rear portion of the vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated at Charles Campbell Road (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005.

Site area :

E to W : 40'

N to S : 50' = 2,000 Sq. ft.,

Boundaries :

E : Premises No. 1 and 1/1, Charles Campbell Road,

W : House No. 5, Charles Campbell Road,

N : Plot No. 3 and now bearing Municipal No. 68/2. and

S : Front Portion of premises No. 55 sold to Smt. Suguna

and passage leading to road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C. R. No. 62/4420/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rear portion of the Vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated at Charles Campbell road, (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 834/75-76 on 2-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. J. Asoka Raj, S/o Shri K. V. Jacob, No. 2, Lewis Road, Cooke Town, Civil Station, Bangalore-5.  
(Transferor)
- (2) Shri N. Shanmugam, S/o Sri Narayana Chettiar, represented by his General Power of Attorney Holder Sri N. Krishnan, younger brother, No. 126/2, Kathirappa Road, Doddigunte, Cox Town, Bangalore-560005.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 834/75-76 dated 2-6-1975]

Rear portion of the vacant site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated in Charles Campbell Road, (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005.  
Site area :—E to W : 40 ft.

N to S : 50' = 2,000 Sq. ft.,

Boundaries :—

E : Premises No. 1 and 1/1, Charles Campbell Road,  
W : House No. 5, Charles Campbell Road,  
N : Plot No. 3, and now bearing Municipal No. 68/2, and  
S : Front portion of premises No. 55, sold to Smt. Suguna and Passage leading to road.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 24-12-1975.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4269/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 12, situated at Madras Sappers Officers' Colony, Banaswadi Road, Bangalore-33 (Division No. 49) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 730/75-76 on 23rd May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. E. K. N. Kumar,  
S/o late Mr. K. R. Krishnan Nair,  
Training Battalion III,  
M.E.G. Centre, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Aravindaksha Menon, S/o Sri P. C. V. Raja, (Regional Manager, John Wyeth & Bros. Ltd., Bombay-20)  
82, Coles Road, Bangalore-56005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 730/75-76 dated 23-5-1975]  
Plot No. 12, Madras Sappers Officers' Colony, Banaswadi Road, Bangalore-33 (Division No. 49).

Site area :

E : 65'

W : 38'

N : 80'

S : 81' ∴ 4146 Sq. ft.

Boundaries :—

East : Site No. 52

West : Road.

North : Site No. 51; and

South : Vacant land.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sajjan R Rao by General Power of Attorney Holder, Shri S M Ramakrishna Rao, 'Lakshmi Nivas' Fort, Bangalore City

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Muni Byrappa alias Papanna, S/o Sri Muniyappa alias Appaiahanna, Attiguppe village, Mysore Road Bangalore City

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C R No 62/4298/75 76/ACQ /B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No The property being revenue land measuring 4 acres and 36 guntas in R S No 8 situated at Gangondanahalli village, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Doc No 855/75 76 on 22nd May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

THE SCHEDULE

[Registered document No 855/75-76 dated 22-5-1975]  
The property being revenue land measuring 4 acres and 36 guntas in R S No 8, situated at Gangondanahalli village Yeshwantapura Hobli Bangalore North Taluk  
Boundaries —  
East Land belonging to the vendee in the same R S No 8.  
West North and South Land belonging to the vendor in the same R S No 8.

R KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4329/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 490 situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore (Division No. 45) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 974/75-76 on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. T. Janakiamma, W/o Sri K. N. Nair, D 6/30 'Vasant Vihar' New Delhi. (Transferor)
- (2) (1) Maj S G Srinivasan, S/o Sri S R Gopal Swamy, (Regional Manager Air India, 'Vandhna' 11, Tolstoy Marg New Delhi-110001.
- (2) Mrs Vaidehi Srinivasan Both residing at No. 3, Circular Road, Chana-Kyapuri, New Delhi-110021 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 974/75-76 dated 28-5-1975]  
Site No. 490, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore (Division No. 45)  
Site area.—  
E : 99'  
W : 103' 9"  
N : 60'  
S : 60' = 6,000 Sq ft, approx.  
Boundaries :  
E Site No. 491  
W Site No. 489  
N Partly site Nos. 482 and 483, and  
S Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C. R. No. 62/4342/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 3 (Old No. 85), formerly No. 5/46 and still Older No. A/8, Sadar Patrappe Road, situated at OTC Road, I Cross, Bangalore City (Division No. 40), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 631/75-76 on 9-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. G. J. Moses, W/o Mr. T. R. Moses, No. 33, Victoria Road, Bangalore-7.  
2. Shri P. D. Xavier, No. 14, Langford Cross, Shantinagar, Bangalore-27.  
3. Shri Auto M. Xavier, 'Swami Nivas', 8/274, Nadar Colony, Trichy Road, Coimbatore.  
(All children of late F. X. Rajendrum Pillay)  
(Transferor)
- (2) Shri N. Ramachandra, S/o late N. Narasimhayya, 105, Sadar Patrappe Road, Bangalore City.  
(Transferee)
- (3) 1. Mr. J. S. Xavier, No. 33, Victoria Road, Bangalore-7.  
2. Miss J. R. Xavier, Opp.: Ladies' Club, Hyderabad, Sind, represented by her duly constituted General Power of Attorney, Mr. J. S. Xavier,  
3. Mrs. Elizabethamma, No. 33, Victoria Road, Bangalore.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 631/75-76 dated 9-5-1975]  
Presimes No. 3 (Old No. 85), I Cross, Old Taluk Cutchery Road, (formerly No. 5/46, and still Older No. A/8, Sadar Patrappe Road), Bangalore City (Division No. 40).  
Site area:—

East : 19'9" Plus 8'  
Plus 48'6"  
West : 65'9"  
North : 34'9" Plus 17', and  
South : 51'9"

## Boundaries :

North : Premises No. 2, OTC Road, I Cross and LIC Building.  
South : Canara Bank Building.  
East : Canara Bank Building and LIC Building, and  
West : OTC Road, I Cross.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-12-1975

Seal:—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE 27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C R No 62/4343/75 76/ACQ/B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises No 3 (old No 85) Formerly 5/46, and still older No A/8 Sadar Patrappe Road, situated at OTC Road, I Cross, Bangalore City (Division No 40) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No 632/75-76 on 9-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—426GI/75

- (1) 1 Mr J S Xavier, S/o late F X Rajendrum Pillay, No 33, Victoria Road Bangalore-17  
2 Miss J R Xavier, daughter of late F X Rajendrum Pillay, opposite Ladies' Club, Hyderabad, Sind represented by her duly constituted General Power of Attorney, Mr J S Xavier  
3 Mrs Elizabethamma, wife of late Mr M L Xavier, No 33, Victoria Road, Bangalore-27 (Transferor)

- (2) Shri N Ramachandra, S/o late N Narasimhaya No 105, Sadar Patrappe Road, Bangalore City (Transferee)

- \* (3) Nil (Person(s) in occupation of the property)

- \* (4) 1 Mr P D Xavier, No 14, Langford Road Cross, Shantinagar Bangalore 27  
2 Mr. Auto M Xavier, 'Swami Nivas', 8/274, Nadar Colony, Trichy Road, Coimbatore  
3 Mrs G J Moses, No 33 Victoria Road, Bangalore-7 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered document No 632/75 76 dated 9-5-1975]  
Premises No 3 (old No 85) OTC Road, I Cross (formerly 5/46, and still Older No A/8, Sadar Patrappe Road), Bangalore City (Division No, 40)

Site area  
East 19 9" plus 8' plus 48' 6"  
West 65' 9"  
North 34' Plus 17' and  
South 51' 9"

Boundaries  
North Premises No 2, OTC Road I Cross Road, LIC Building  
South Canara Bank Building  
East Canara Bank Building and LIC Building  
West OTC Road I Cross

R KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date 20-12 1975

Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C. R. No. 62/4346/75-76/ACQ./B.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Buildings site No. 16 situated at 6th Cross (right side) of the Magadi Road, (Division No. 13), Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 717/75-76 on 14-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Honnappa, S/o Late Sri Munigange Gowda,
- (2) Smt. Channamma W/o Sri Honnappa,
- (3) Sri H. Rajanna, S/o Sri M. Honnappa,
- (4) Sri H. Bhagya Kumar, S/o Sri M. Honnappa, All residing at No. 16, 6th Cross, Magadi Road, (Northern side) Bangalore-23.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Mool Raj Mehta, } sons of
- (2) Pratap Singh Mehta, } Shri Rekh Raj Mehta, both residing at No. 23, 6th Cross, Magadi Road, (Southern side) Bangalore-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 717/75-76 dated 14-5-1975]  
Building site No. 16, 6th Cross (Right side) of the Magadi Road, Division No. 13, Bangalore City.

Site Area :—

- |                  |                        |
|------------------|------------------------|
| East to West :   | (i) Northern side 180' |
|                  | (ii) Southern—190'     |
| North to South : | (i) Eastern—104'       |
|                  | (ii) Western—72'       |
| =16,280 sq. ft.  |                        |

Boundaries :—

- East : House of Gangaiiah and others,  
West : 6th Cross Road,  
North : Road made by M. Honnappa, and  
South : Municipal drain with all hereditaments, easementary rights etc.,

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRII/May-I/744(15)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupta,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
as specified in the Schedule situated at New Delhi  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi, on 6-5-1975,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act'  
in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-  
sons, namely :—

- (1) S/Shri Hari Chand; Ballu & Lakhi Chand sons of  
late Shri Het Ram r/o Village Jonapur Tehsil  
Mehrauli, Delhi through then General Attorney,  
1. Shri Prem Nath s/o Shri Hans Raj r/o 1656, Kotla  
Mubarakpur, N. Delhi.  
2. Shri Narinder Anand s/o Shri Gian Chand  
r/o 1632, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Mohan Lal Harban Lal Bhyana & Co., C-54,  
Maharani Bagh near Bhogal Ashram Ring Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons whichever period expires  
later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Bighas & 6 Biswas (6377 sq.  
yds) in Mustatil No. 15, Part of Killa No. 13/2 & 14/2; Mus-  
tatal No. 15 Part of Killa No. 17 & 18 in Village Jonapur,  
Tehsil Mehrauli Distt. Delhi.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRII/May-1/(17)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as specified in the Schedule situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sv./Shri Hari Chand; Ballu & Lakhi Chand sons of Shri Het Ram r/o Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi through their General Attorney:  
1. Shri Prem Nath s/o Shri Hans Raj r/o 1656, Kotla Mubarakpur, New Delhi  
2. Shri Narinder Anand s/o Shri Gian Chand r/o 1632, Naiwala Karol Bagh New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Onkar Nath Kampani s/o Shri Amar Nath Kampani r/o Shyam Bhawan, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 4 Biswas in Mustatil No. 15 Part of Khasra No. 22 & Mustatil No. 28 Part of Khasra No. 2 in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Distt. New Delhi.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-1-1976  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2006(1001)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2817 situated at Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Piem Sehgal s/o Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, New Delhi himself and regd. General attorney of Shri Surinder Sehgal sons of Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, Delhi, 2. Sh. Sudhesh Sehgal s/o Shri Mehar Chand 3. Smt. Sheela Rani Sehgal w/o Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Hameeda Begum w/o Sh. Abdul Rashid r/o 802, Haveli Azam Khan, Bazar Chitli Kabar, Jama Masjid, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. situated at No. 2817, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi and bounded as under—

North : Gali

South : House No. XI/2848

East : House No. XI/2816

West : House No. XI/2818

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Charanjit Kaur w/o Shri Balvinder Singh r/o B-9/5, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Palta s/o Shri Mulkh Raj Palta r/o B-8/14, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/349(1002)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern portion of B-5/4 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern portion of plot No. B-5/4 area 77-7/9 sq. yds. out of the entire area 233-1/3 sq. yds. part of Khasra No. 412 situated in the approved colony known as Krishan Nagar, area of Village Ghaundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :

North : Road  
East : Plot No. B-5/3  
South : Plot No. B-6/4  
West : Portion of plot No. B-5/4

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2038(1003)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9437 Gali No. 10 situated at Multani Dhanda Pahar Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kundan Lal Rana s/o Shri Ranpat Rai r/o 9437, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar alias Binod Gopal s/o Late Shri P. N. Bannerjee, r/o 9437, Multani Dhanda Pahar Ganj, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Tilak Raj s/o Shri S. K. Khurana, 2. Shri Tilak Raja Kalra, 3. Shri Sham Lal Mehra all r/o 9437, Multani Dhanda, Pahar Ganj, Delhi.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at No. 9437, Gali No. 10, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi and bounded as under :—

North : Shed No. 9436A  
South : Gali No. 10  
East : Main Multani Dhanda Road  
West : House No. 9437A.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq II(2046)(1004)/75-76—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3010 situated at Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanwal Dass s/o Shri Devi Deen r/o 3010, Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Mirajuddin s/o Mohd. Ishaq and Smt. Khurshid Begum w/o Sh. Mirajuddin r/o 3016, Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds, situated at No. 1850 (old) and present Municipal No. 3010 situated in Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2001(1005)/75-76 —Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7051 and 7052 situated at Beriwalla Bagh Azad Mkt, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

18-426GI/75

- (1) 1. Shri Chuni Lal s/o Shri Sunder Dass r/o 7050, Beriwalla Bagh, Azad Market, Delhi, 2. Shri Roshan Lal s/o Shri Sunder Das r/o 306, Azad Market, Delhi, 3. Shri Shadi Lal s/o Shri Sunder Dass r/o 325 Azad Market, Delhi, 4. Smt. Shweta Wati w/o Shri Kawan Mal r/o 6844, Beriwalla Bagh, Azad Market, Delhi and 5. Smt. Krishna Wanti w/o Shri Baldev Raj r/o 305, Azad Market, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Gorjan Devi w/o Shri Amij Chand r/o 8932, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed home constructed on a plot of land measuring 105 sq yds. situated at property No. 7051 and 7052 situated at Beriwalla Bagh, Azad Market, Ward No. XIII, Delhi and bounded as under :—

North : Old Rohtak Road  
South : Gali  
East : House No 7053  
West : House No. 7050.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Des Raj s/o Shri Laddu Ram Vij r/o 1122,  
Railway Road, Shahdara, Delhi-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Gita Gupta w/o Dr. R. P. Gupta r/o 672,  
Qabul Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 8th January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XX-A of the  
said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/343(1006)/75-76.—Whereas, I,  
S. N. L. Agarwala,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 25 situated at Raj Block Colony G.T. Road, Shahdara,  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in May 1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Property No. 25 measuring 400 sq. yds. Khasra No. 2851/68  
min, 70 min situated in the area of Village Chandrawalai,  
Alias Shahdara, Abadi Raj Block Colony, G.T. Road, Shah-  
dara, Delhi-32 and bounded as under :—

North : Remaining Khasra No. 71 min.

West : Road 36'

East : Remaining Khasra No. 2851/68 min.

South : others land.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash s/o Shri Hukam Chand r/o 3691, Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(2) Shri Aziz Ahmed s/o Bahadur Khan and Mohammad Haroon s/o Shri Abdul Aziz r/o 3770 and 4381, Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2032(1007)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2191 (2 shops on G.F.) situated at Mohalla Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 shops constructed on ground floor on land measuring 36 sq. yds. of property No. 2991, Mohalla Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ghisa s/o Shri Nanga Mali s/o Qadam Sharif,  
Bagichi Alkudin, Pahar Ganj New Delhi  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Kedari Nath and Ganeshi Lal sons of  
Shri Hazari Lal s/o 9640, Gali No 12, Mullan  
Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
4-A/14 ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 8th January 1976

Ref No. IAC/Acq II/2037/(1008)/75-76 —Whereas, I, S N L Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 10445 situated at Bagichi Alkudin Qadam Sharif Pahar Ganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Double storeyed house constructed on a plot of land measuring 133 sq yds situated at No 10445, Gali No 2-3, Bagichi Alkudin, Qadam Sharif, Pahar Ganj, New Delhi

S N L AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date 8th January 1976

Seal



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2022(1009)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8877, situated at Gali Moti Wali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nanak Ram s/o Shri Kishan Chand Gawa and Smt. Darppdi Devi w/o Shri Nnak Ram Gawa r/o 8877, Gali Moti Wali, Naya Mohalla Azad Market, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Kaka Plastic Works, 8923, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 53½ sq. yds. bearing No. XII/5568 (old) and XII (8877 New) at Gali Moti Wali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi-6 and bounded as under :—

North : House No. 8874  
South : Main Gali  
East : House No. 8876  
West : House No. 8878.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Hari Chand r/o F-12/21, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref No. IAC/Asq.II/2328/(1010)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act', has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-12/21, Northern Portion situated at Krishan Nagar Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri Subhash Chand Monga s/o Shri Bakhshi Ram Monga r/o 323, Ram Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 98.9/10 sq. yds. northern portion of plot No. 21 Block F-12, out of 197.8 sq. yds. situated in Krishan Nagar, area of Village Ghoundli, Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North : House built F-12/20  
East : Road  
South : Remaining portion of plot  
West : Property No. F-11/21.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajwant Kaur w/o Shri Jaswan' Singh r/o  
5/8, Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(2) Smt. Kanta Devi w/o Shri Siri Chand r/o 9749,  
Neem wali Gali, Nawab Ganj, Pul Bangash, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 9th January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First and second floor of a property constructed on a plot  
of land measuring 213 3 sq. yds. situated at 5/8 Singh Sabha  
Road, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :—

North : Road  
West : Plot No. 5/7  
South : Road  
East : Plot No 5/9.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 9th January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/332(1012)/75-76 —Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of K-7 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargobind s/o Late Shri Nand Ram House No. XI/360/9, Plot No. K-7, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Gohar Singh s/o Shri Gopal Singh r/o 10/90, Gita Colony, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential house constructed on a piece of plot No. K-7 measuring 68.5/8 sq. yds. a part of property No. XI/360/9 Part of Khasra No. 512/482 situated in Abadhi Krishan Nagar, Village Ghoundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. K-6  
West : Plot No. k-21  
South : Remaining portion of plot No. K-7.  
East : Road

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 9th January 1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1013/333/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of K-7 and K-8 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

19—426GI/75

(1) Shri Hargobind s/o Late Shri Nand Ram r/o House No. 360/9, Plot No. K-7, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

(2) Smt. Viran wali w/o Shri Gohar Singh r/o 10/90, Gita Colony, Delhi-31.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential house constructed on a southern portion of piece of plot No. K-7 and part of plot No. K-8 measuring area 68-5/8 sq. yds. part of Khasra No. 512/482 situated in the abadi of Krishan Nagar, Village Gboundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of plot No. K-7  
East : Road  
South : Remaining portion of plot No. K-8.  
West : Plot No. K-21.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 9th January 1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajeshwari Sah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rani Sekho,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 76-R/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Suite No. 5, situated at Hotel Garden House Dist. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nainital on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Suite No. 5, of Hotel Garden House situated in District Nainital.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 1-1-1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rujeshwari Sah

(Transferor)

(2) Smt. Rani Sekho

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 76 R/ACQUISITION—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,  
B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having an fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 situated at Garden House Hotel, Distt. Nainital and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) at the office of the Registering Officer at Nainital on 9.6.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Open plot measuring 3,000 sq. fts. situated in Hotel Garden House Distt. Nainital

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range

Lucknow

Date 1-1-1976

Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kumud Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rani Sekho.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.Ref. No. 76-R/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-  
BHAR NATH,being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Suite No. 5 situated at Hotel Garden House, Nainital  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Nainital on 23-8-1975for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the pro-  
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Open plot measuring 3,000 sqr. fts. situated in Garden  
House Distt. Nainital.BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this Notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the  
following persons namely :—

Date : 1-1-1976

Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Shri Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Devi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 16-U/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt. Bulandshahr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bulandshahr on 21-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Umesh Chand.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 17-U/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-  
BHAR NATH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt.  
Bulandshahr  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Bulandshahr on 21-4-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following  
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated  
in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukut Lal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons whichever period expires later.

Lucknow, the 1st January 1976

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
official Gazette.

Ref. No. 73-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-  
BHAR NATH,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'Said Act') have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt.  
Bulandshahr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Bulandshahr on 21-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXXA of the  
Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated  
in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of, the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ahemdi Begum.

(Transferor)

(2) Shri Mokesh Chander.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1976

Ref. No. 74-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahr on 19-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date . 9-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishwa Nath Choudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. G. Mehrotra and others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 23-V/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-  
BHAR NATH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act') have reason to believethat the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, B. N. Road, situated at B. N. Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed here-  
to), has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Lucknow on 16-6-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following per-  
sons, namely :—

20—426 G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the 'Said Act', shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No 9—Situated at B. N. Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shantilal Mohanlal Shah,  
Mangal Park, Near Opera Society,  
Dhumnkudu Marg, Paldi, Ahmedabad-7.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

(2) Shri Ramanlal Mulchand Shah,  
Mandvini Pole, Nagjibhuder Pole,  
Derawala Khancha, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 6th January 1976

Ref. No. Acq.23-I-663(255)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 143-B, C.S. No. 2068 and 2069-B situated at Nagjibhudarji Pole, Jamalpur Ward No. 2, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in June, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

A four storied building standing on land admeasuring about 96 sq. yds. bearing Survey No. 143-B, C. S. No. 2068 and 2069-B, situated at Nagjibhudarji Pole, Jamalpur Ward No. 2, Ahmedabad and as fully described in the sale deed.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Principal Officer,  
Baroda Industrial Development Corporation Ltd.,  
Gorva Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer,  
M/s. Jyoti Ltd., Gorva Road,  
Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th January 1976

Ref. No. P. R. No. 279/Acq.23-470/6-2/75-76.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 1178, 1179, 1179/1 and 1180 paiki Plot No. J 44 to J 50 and J 53 to J 59 situated at Gorva, Sayaji Ganj area, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 21-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing R. S. No. 1178, 1179, 1179/1 and 1180 paiki Plots No. J 44 to J 50 and J 53 to J 59 situated at Gorva Village and admeasuring in all 1,40,000 sq. ft. as fully described in sale deeds registered under No. 3203 of May, 1975 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th January 1976  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th January 1976

Ref. No. Acq. 23-1-724(256)/18-5/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1772 and 1776 Plot No. 20 to 34 situated at Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Wadhwan, on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parmar Solanki Gadani Jaywal & Co., Surendranagar, through partners:—
  - (1) Parmar Manaharlal Liladhar, Member of H.U.F. of Parmar Liladhar Mavaji, Vadipara, Surendranagar.
  - (2) Parmar Bhikhalal Himatlal, Karta of H.U.F. of Parmar Himatlal Madhavji, Vadipara, Surendranagar.
  - (3) Parmar Mulji Madhavji, Vadipara, Surendranagar.
  - (4) Jayswal Jagdambaprasad Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
  - (5) Jayswal Jayantilal Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
  - (6) Jayswal Chandrakant Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
  - (7) Gadani Natwarlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
  - (8) Gadani Amritlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
  - (9) Gadani Himatlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
  - (10) Solanki Parshottamdas Vithaldas, Vadipara, Surendranagar

(Transferor)

- (2) Shri Ajitnath Co-operative Housing Society Ltd., Surendranagar, through—
  - (1) President—Shri Ashok Kumar Kantilal Shah, Surendranagar.
  - (2) Vice-President—Shri Ajitkumar Mugatlal Shah, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2808 sq. yards and bearing Survey No. 1772 & 1776, Plot No. 20 to 34, situated at Surendranagar.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th January 1976  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Iyotiben Nagrnbhai Patel,  
13/14, Jayant Park, Vatva Road, Maninagar,  
Ahmedabad-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Natwar Gopal Co operative Housing Society, through  
Chairman, Smt. Kadambatiben Rasiklal Joshi,  
Jethabhaini Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January 1976

Ref No Acq. 23-I-725(257)/1-1/75-76—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. Survey No. 189-A, Sub-Plot No. 1 & 3 situated at Rajpur Hirpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 1516 sq. yards bearing Survey No. 189-A, Sub-Plot Nos. 1 and 3, situated at Rajpur Hirpur and as per the two sale deeds the particulars of which are given as under :—

Document No.	& date	Survey No./S. P. Nos.	Area
6112/15-5-75		189-A S. P. No. 1	802 sq yds
6111/15-5-75		189-A S. P. No. 3	714 sq yds.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ajit Kumar Basu, 1/A, Lee Road, Calcutta.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mohan Kumar Mukherjee, Bakulia House, 2  
Bishu Babu Lane, Kiddirpore, Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16(3) (1) Prafulla Ghosy & Sukumar Dey.  
(2) Sri Jagadish Ch. Ganguly.  
(3) Sri Tulsi Narayan Pandit.  
(4) Smt. Gyatri Lahiri.  
(5) Sri Upendra Narayan, Chaki.  
(6) M/s. Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.  
(7) Smt. Gayatri Debnath.  
(8) ELEC. Hoarding, Calcutta.  
[Person in occupation of the property].Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 5th January 1976

Ref. No. 307/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K.  
BALASUBRAMANIAN,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'Said Act') have reasonto believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, situated at Ashutosh  
Mukherjee Road, Calcutta,(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer  
at Calcutta on 25-7-1975,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Undivided 6/15th share in land of five cottahs fifteen  
chittacks and thirty eight square feet more or less known as  
74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, Ashutosh Mukherjee Road,  
Calcutta, PS. Bhowanipore, and all the building and structures  
thereon as per deed No. 4280 of 1975 registered before  
Registrar of Assurance, Calcutta.Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-1-1976.

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Alok Basu, 16, Earl Street, Calcutta  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohan Kumar Mukherjee, Bakulia House 2 Bishu Babu Lane Kiddupore, Calcutta  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16(3) (1) Prafulla Ghosh & Sukumar Dey  
(2) Sri Jagadish Ch Ganguly  
(3) Sri Tulsi Narayan Pandit.  
(4) Smt Gyatri Jahiri  
(5) Sri Upendra Narayan, Chaki.  
(6) M/s Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.  
(7) Smt Gayatri Debnath  
(8) ELEC Hoarding, Calcutta  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Calcutta, the 5th January 1976

Ref No 308/Acq R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25 000/- and bearing No 74A, 74B, 74C, 74D, 74F, situated at Ashutosh Mukherjee Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25.7.1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely —

Undivided 6/15th share in land of five cottahs fifteen chittacks and thirty eight square feet more or less known as 74A, 74B, 74C, 74D, 74F, 74F, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, PS Bhowanipore, and all the building and structures thereon as per deed No 4315 of 1975 registered before Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 5-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16  
Calcutta, the 5th January 1976

Ref. No. 309/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, situated at Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Bejoli Ghosh of 100/11 Alipore Road, Calcutta.  
(2) Smt. Dipali Mitter, and  
(3) Manjula Ghosh.  
17/5C Block A, Nalini Ranjan Avenue, New Alipore, Calcutta.  
(Transferor)  
(2) Sri Mohan Kumar Mukherjee, 'Bakulia House' 2 Bishu Babu Lane Kiddirpore, Calcutta.  
(Transferee)  
(3) (1) Pratulla Ghosy & Sukumar Dey.  
(2) Sri Jagadish Ch. Ganguly.  
(3) Sri Tulsī Narayan Pandit.  
(4) Smt. Gyatri Lahiri.  
(5) Sri Upendra Narayan, Chaki.  
(6) M/s. Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.  
(7) Smt. Gayatri Debnath.  
(8) ELEC. Hoarding, Calcutta.  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 6/15th share in land of five cottahs fifteen chittacks and thirty eight square feet more or less known as 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, PS. Bhowanipore, and all the building and structures thereon as per deed No. 3612 of 1975 registered before sub-Registrar, Alipore.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-1-1976.  
Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. Diamond Investment and Properties Co. Ltd.,  
3 Synagogue Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1976

Ref. No. Acq.-38/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I. R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2H+2 situated at Alipore Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—  
21—426G1/75

(2) M/s. Real Estates Corporation, 34, Raja Basanta  
Roy Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Cottahs 15 chittacks 5 sq. ft. at premises No. 2H and 2, Alipore Avenue (Divided southern portion), Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 9-1-1976,  
Seal

## FORM ITNS

(1) Shri T. Murlidhar Singh s/o Sri Tara Singh R/o Seethafal-Mandi, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhanuri Kasiah, R/o Jeera Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC, No. 219/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-2-22 situated at Seethapalmandi, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 22-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Property : H. No. 11-2-22 at Seethafalmandi, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date . 6-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shaik Naimuddin, S/o late Shaik Mohiuddin,  
H. No. 18-3-892 at Outside Allabad, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) (1) Miss Kumari Santhosh Kumari,  
(2) Kumari Burkha Devi, H. No. 21-3-710 at  
Chelapura, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 220/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
15-1-503/8 and 503/9 situated at Feelkhana, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on 20-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 15-1-503/8 and 503/9 at Feelkhana  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-1-1976.

Seal :

## FORM IINS—

- (1) (1) Smt. Hushumuthunisa Begum, Paigha House,  
Sardar Patel Road, Secunderabad.  
(2) Sri Jainarayana Misra, H. No. 26-A Sardar  
Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Pagola Suvarna Devavaram, H. No. 12-5-23 at  
Vijayapuri South Lalaguda, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 222/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. 54 of M. No. 2-11-30 situated at Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred as per deed registered  
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer  
at Secunderabad on 28-5-1975,

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property . Plot No. 54 as per sanctioned layout situated  
at Sardar Patel Road, Secunderabad. (156 to 159 and 2-11-30)  
admeasuring 309.32 sq. mts.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-1-1976

Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Syeda Jannathunnisa Begum, W/o late Syed Sharfuddin, Advocate, Nizamabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 223/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-6-510, 510/1, 510/2, 510/3 situated at Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 20-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) (1) Shri Syed Khusro Adil Hashmi, S/o Shariful Hasan Hashmi Nizamabad.

(2) Sri Syed Akhtar Adil Hashmi, S/o Shariful Hasan Hashmi, Nizamabad, H. No. 5-6-510 at Civil Lines, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : H. No. 5-6-510, 510/1, 510/2, 510/3 at Civil Lines Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 6-1-1976.

Scal

## FORM ITNS—

(1) M/s. Associated Builders and Real Estate Agents  
Represented by its partner Smt. Pushpalata W/o  
Ratanlal, C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, Abid  
Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. Arundhau, W/o Sri N. Arvind Reddy, H.  
No. 1-2-45 at Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1976

Ref. No. RAC. No. 224/75-76 —Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the imovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Flat B-1-F-4 situated of Poonam Apartment Chirag Ali  
Lane, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on 29-5-1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act,  
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXXA of the  
said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property . All that the share or portion in the piece and  
parcel of land bearing M. No 5-8-512 to 517-C at Chirag  
Ali Lane, Hyderabad. Flat No. B-1-F-4 on the Second  
building of Poonam Apartments.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 7-1-1976

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1976

Ref. No. RAC. No. 225/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat B-1-F-3 situated of Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Associated Builders and Real Estate Agents Represented by Smt. Pushpalata W/o Ratanlal, C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Madhavi, C/o N. Nagendranath Reddy, Advocate, Kurnool

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that the share or portion in the piece and parcel of land bearing M. No. 5-8-512 to 717-C at Chirag Ali Lane, Hyderabad. Flat No. B-1-F-3 on the Second building of Poonam Apartment.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-1-1976,

Sd/-

## FORM ITNS-

(1) Smt. Tedla Anuradha W/o Sudhakar H. No. 11-153  
at Seetharampuram, Miryalguda, Nalgonda Distt.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Didugu Saraswathamma, W/o Chhakeshvalu,  
R/o Thungapadu-Village, (V.A.) Miryalguda-Tq.  
Nalgonda-Distt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(3) Dist. Manager, Andhra Pradesh State Civil Supplies  
(Corp). H. No. 13-86/2 at Seetharampuram, Mir-  
yalguda-Nalgonda-Distt.  
[Person(s) in occupation of the property]

Hyderabad, the 9th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 226/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 13-86/2 situated at Seetharampuram Miryalguda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Nalgonda on 17-5-1975,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the pro-  
perty as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly in the said instrument  
of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : H. No. 13-86/2 at Seetharampuram, Village  
Miryalguda-Tq. Nalgonda-Distt.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons  
namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kaji Kumar Banerjee,  
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Bimla Devi Jain,  
Lake Road, Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-116/Acq./75-76/1866.—Whereas, I. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1079, 1070 situated at Meckil Road, Ranchi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—426 GI/75

Land, 5½ katha at Meckil Road, Ranchi, Plot no. 1079, 1070, M. H. No. 1002, W. No.-I, as described in deed No. 9455 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Banerjee,  
Upper Bazar, Ranchi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Bimla Devi Jain,  
Lake Road, Ranchi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-117/Acq./75-76/1867.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1079, 1070 etc. situated at Meckil Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, 3½ katha at Meckil Road, Ranchi, Plot No. 1079, 1070, H. No. 1002, W. No. I, as described in deed No. 9453 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shakti Kumar Banerjee,  
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Subhash Chand Jain,  
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No III-118/Acq./75-76/1868.—Whereas, I. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 1079 situated at Meckil Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, 8 kathas at Meckil Road, Ranchi Plot No. 1079 H. No. 1002, W No-I, as described in deed No. 9454 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-119/Acq./75-76/1869.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 892 to 895 situated at Ranibigha Biharharif, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nalanda in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhaman Mahto S/o Sri Churaman Mahto and Sri Kave Mahto S/o Sri Jhaman Mahto. At-Ranibigha, P.S. Biharharif Dt. Nalanda. (Transferor)

(2) Nalanda Service Station Biharharif, Through Sri Ramashray Prasad S/o Sri Tribeni Singh, Dt. Nalanda Service Station, Biharharif. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 10 kathas at Ranibigha, P.S. Biharharif, Dist. Nalanda khata No. 78, Plot Nos. 892, 893, 894 and 895.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date . 7-1-1976.

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shrimati Murti Devi W/o Kapildeo Prasad, At upper Bazar, P.S. Kotwali, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shiv Prasad Singh S/o Sri Kunwar Singh at Ratu Road, P.S. Kotwali, Ranchi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-120/Acq./75-76/1870.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. Plot No. 1155, KHO-53 situated at Hesal, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 5 katha with building at village Hesal, P.S. Kotwali, Ranchi R.S. Plot No. 1155, Sub-Plot No. 1155/1, khata No. 53 etc., as described in deed No. 7888 dated 5-5-1975.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 7-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. Sukumar Sanyal S/o Sri Surendra Nath Sanyal  
At Sarada Shree, Ranchi Chaibasa Road, P.S.  
Kotwali, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shrimati Kaushalya Devi W/o Dr. Brameshwar  
Prasad of Bariatu, P.S. Sadar, Ranchi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA  
of the said Act shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-121/Acq./75-76/1871.—Whereas, I, A. K.  
SINHA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Bihar, Patna,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. M. H. No. 146/H situated at Hatma (Nagratohi) Ranchi,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Ranchi on 6-5-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons  
namely :—

## THE SCHEDULE

1 and 21 katha 4 ch. out of R. S. Plot No. 690 marked as  
Sub Plot No. 690/B. K. No. 57, M.S. Plot No. 370, M. H.  
No. 146/II W. No. VII B. situated at Hatma (Nagratohi)  
Ranchi as described in deed No. 7958 dated 6-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Bibi Asanikum Nisba W/o Late **Khelafat Hussain** and Bibi Afarida Begam W/o Syd **Burhan** At and P O Barchpura, PS Kotwali Dist Bhagalpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG, PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref No III 122/Acq/75 76/1872—Whereas, I, **A K SINHA**,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No H No 12, W No 2 situated at Milkichak Urf Barchpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhagalpur on 24-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(2) Shri Sita Ram Yadav S/o Sri Bhasawan Yadav, At & P O Khajerpur, PS Kotwali, Dist Bhagalpur, Smt Manika Devi W/o Sri Bhubneshwar Mandal and Sri Ashutosh Mandal S/o Sri Siri Mandal, At and P O Bhurkhuria Dist Bhagalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land area 8 B 15 K 8 Dhur at Milkichak Urf Barchpura, PS Kotwali, Dist Bhagalpur, W No 2, Cr No 4, H No. 12 as described in deed No 6203 dated 24-5-1975

**A K. SINHA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 7-1-1976

Seal

## FORM ITNS

- (1) Shri S. M. Safique S/o Late S. T. Karim at and P.O. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Sardar A. Singh S/o Late Sardar Bhagat Singh of 33, Tatanagar Mills and Godown Area P.S. Gotmuri, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IJ-123/Acq./75-76/1873.—Whereas, I, A. K. SINHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 36 situated at Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 14-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.246 Acres with house in Tatanagar Mills & Godown area, Jamshedpur Town, H. No. 36 as described in deed No. 6922 dated 14-5-1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ramkrishna S/o Sri Patinathlal H. No. 359,  
Sitaram Dera, P.S. Sakchi, Jamshedpur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Pd. Singh Guardian Chandra Hans of Sita  
Ramdera Jamshedpur, Dist. Singhbhum.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-124/Acq./75-76/1874.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 359 situated at Sakchi, Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said to the following persons, namely :—

23—426 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Pucca House H. No. 359, P.S. Sakchi, Jamshedpur as described in deed No. 6529/5-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. V. Parikh S/o late V. Parikh Contractor's Area, Jamshedpur, Dist. Singhbhum. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar A. Singh S/o late Sardar Bhagat Singh of Tatanagar Mills & Godown area Jamshedpur, Singhbhum. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG, PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-125/Acq./75-76/1875.—Whereas, I, A. K. SINHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, Thana No. 1167 situated at Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 9K. 7½ Dhur with building, Plot No. 7, Thana No. 1167 at Tatanagar Khasmahal area, Jamshedpur as described in deed No. 7549 of May 1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh 166, Pathiputra Colony,  
Patna-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Mrs Harjinder Rekhi C/o Sri S S Rekhi at  
Bhikkanpuri, Bhagalpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Military Estates Officer Dinapur Cant  
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BULDG, PATNAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned

Patna, the 7th January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No III-126/Acq/75-76/1876—Whereas, I, A K  
SINHA,being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/- and bearingH No 23A, W No 1 situated at Bhikhanpur, Bhagalpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhagalpur on 7-5-1975,for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act' shall have the same meaning as given  
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or,

## THE SCHEDULE

I and with Ground floor construction of House No 23A,  
W No 1, Cr No 2 at R B Sukhraj Roy Road, Bhagalpur(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-  
tax Act 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the  
following persons namely :—A K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 7-1-1976.

Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-127/Acq./75-76/1877.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TISCO H. No. 20 situated at Contractors Area, Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Jamshedpur on 26-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Mr. D. G. Vaidya S/o late Gopal Narain Vaidya, Contractors Area, Jamshedpur.  
(Transferor)
- (2) Mr. Dinesh B. Parikh Mithila Motors (P) Ltd., Jamshedpur-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring area 0.142 acres with building at contractors area, TISCO's H. No. 20, in Jamshedpur Town, Dist. Singhbhum.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.  
Seal :



FORM IINS—

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P)  
Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through, Sri D. P.  
Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Chandrawati Sinha W/o Sri Binod Kumar  
Sinha, At Makhama Kuan, P. S. Purbahore, Dist.  
Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-128/Acq./75-76/1878.—Whereas, I, A. K.  
SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the Said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road,  
Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Patna on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269 of the Said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with some construction on a portion thereof measuring  
area 1125 sq. ft. at Fraser Road, Patna H. No. 349 (new)  
now as part of H. No. 349/2, M. S. Plot No. 7- Cr. No. 6  
W. No. 10 (New) etc. as described in deed No. 4507 dated  
8-5-1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Binod Kumar Sinha S/o late Sheonandan Prasad and Smt. Chandrawati Sinha W/o Binod Kumar Sinha, both of Makhama Kuan P. S. Purbahore, Dist. Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-129/Acq./75-76/1879.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M, S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with some construction on a portion thereof measuring 500 sq. ft. at Fraser Road, Patna, H. Part of H. No. 349 (New) now part of H. No. 349/2, part of M.S. Plot No. 71 Cr. No. 6 as per deed No. 4508 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ashok Kumar N. Ajmera S/o Sri N. N. Ajmera At-Machharhatta, P.O. Patna City, Dist. Patna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-130/Acq./75-76/1880.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two piece of land with some construction on a position thereof measuring 1025 sq. ft. (820+205) at Fraser Road, Patna part of H. No. 349 (new) now 349/2 and M.S. Plot No. 71 Cr. No. 6 as per deed No. 4509 dated 8-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna Through, Sri D. P. Saboo, (Managing Director).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-131/Acq./75-76/1881.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (2) Shri Ashok Kumar N. Ajmera S/o Sri N. N. Ajmera of Machharhatta, P.O. Patna City, Patna.  
Smt. Kanchan Gauri W/o Sri Gunvant Rai Jani and Smt. Sudha Jani W/o Sri J. K. Jani (Advocate) of Road No. 6C, R-Nagar, Patna—16.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; and
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two piece of land with some construction there on measuring area 700 sq. ft. (500+200) at Fraser Road, Patna, being part of M.S. Plot No. 71 H. No. 349 (New) now 349/2 Cr. No. 6 etc. as described in deed No. 4511 dated 8-5-1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Binod Kumar Sinha S/o late Sheonandan Prasad of Makhania Kuan Road P.S. Pirbahore, Patna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-132/Acq./75-76/1882.—Whereas, I, A. K. SINHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

24-426G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with some construction thereon measuring area 1125 sq. ft. at Fraser Road, Patna, Part of M. S. Plot No. 71, H. No. 349(New) now 349/2 Cr. No. 6 etc. as described deed No. 4512 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976,

Seal

## FORM ITNS—

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-133/Acq./75-76/1883.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely :—

Two pieces of land with some construction on a portion thereon measuring 1025 (820+205) sq. ft. at Fraser Road, Patna, part of H. No. 349 (New) now 349/2, M.S. Plot No. 71, Cr. No. 6 as per deed No. 4510 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single storeyed House situated at Shivpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 20-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Manpharlal s/o Sardari Lal Narula,  
R/o Shivpuri.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal & Banarashidas sons of Deshraj Narula,  
R/o Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot & House situated at Shivpuri Area 1260 sq. meter.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Bajirao S/o Ramoo Patel 2. Mohan (8 yrs)  
S/o Bajirao M. G. Bajirao R/o Ainpur Tq. : Raver  
Distt : Jalgaon, (Maharashtra).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore S/o Jagannath Patel, H. G. Shri Jagannath S/o Narayan Patel R/o Nimudad Raiyatwari,  
P.O. Shekhpur, Tah. Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Agricultural Land, One well and House situated at Village  
Shekhpur,  
situated at Burhanpur  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto) has been trans-  
ferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Burhanpur, on 27-5-1975 for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the 'said Act,' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Agricultural Land one well and House.  
Area of Land—40.18 acres.  
Area of well and House—432 sq.ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following  
persons, namely :—

Date : 5-1-1976

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Govind S/o Shri Tulsiram Khandelwal,  
R/o 415, Mahatma Gandhi Marg, Indore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Central Circuit Cine Association Bhusawal through  
President Shri Santoshsinhaji Jain  
R/o 562 M. Gandhi Marg, Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land, situated at Indore

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Indore, on 6-5-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at New Dewas Road, Indore  
Survey No. 259/1 & 260

Total Area—6.73 acres Paiki 12500 sq.ft.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

1) Shrimati Savitri Devi w/o Devendra Kumar S/o  
Bajajkhana Jaora (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) M/s. Central Circuit Cine Association Bhusawal through President Shri Santoshsinghji Jain, R/o 562,  
M. G. Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land  
situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore, on 6-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, Area 6250 sq.ft. Survey No. 259/1 &amp; 260 situated at New Dewas Road, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Savitri Devi w/o Devendra Kumar  
R/o 562 Mahatma Gandhi Marg, Indore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Central Circuit Cine Association Bhusawal  
through President Shri Santoshsingh Ji Jain  
R/o 562 Mahatma Gandhi Marg, Indore  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 6-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

\*Agricultural land. Area 6250 sqft. Survey No. 259/1 & 260 situated at New Dewas Road, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Narayan S/o Bhagirathji Saraf  
R/o 10 Tilak Path, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajkumar S/o Poonamchandji Garg,  
R/o 58 Devi Ahilya Marg (Jail Road), Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

**Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.**—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and House Plot area 675 sq. ft. & House No. 190 situated at Tilak path, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 19-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot and House.  
Plot Area 675 sq. ft.  
House No. 190 area 450 sq.ft.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-1-1976  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPI /75-76.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore, on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—  
25—426 GI/75

- (1) Shri Damodhar Nathuji Jamindar,  
R/o Chhota Ravala Estate, Indore,  
56 Raoji Bazar, Main Road, Bhagwati Niwar,  
Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri M/s Falodi Transport Corporation, 9 Jawahar  
Marg, Indore—through Shri Jammalal s/o Mangilal  
Gupta Manajan. R/o 3/4 North Raj Mohalla,  
Indore.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Area 676 sq. ft.  
Vol. No. 3632 P.No. 66-73, Reg. No. 3336.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-1-1976  
Scal;

FORM ITNS-----

(1) Shri Baburam S/o Beniram Brahman (45 yrs)  
R/o Bhaorasa, Tq : Sonkatch, Distt. Dewas.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land in Bhaorasa, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas, on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Sakharam S/o Ghasiram Mali, (21 yrs)  
Agriculturist, R/o Bhaorasa, Distt : Dewas.  
2. Shri Dinesh S/o Madanlal Mali (10 yrs) M. G. Mohanlal S/o Ghasiram Mali (32 yrs) Agriculturist, R/o Bhaorasa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land.

Khasra No.  
718  
746/1  
747/1  
749  
752  
753/1  
759/2

Area.

1/3  
/2  
/2  
/3  
2/3/9  
/2  
/3

Total 5/1 acre.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baburam S/o Beniram Brahman (45 yrs) Agriculturist,  
R/o Bhaorasa, Tq: Sonkatch, Distt: Dewas.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, Khasra No. 750, Area 4-1 acres situated at Bhaorasa,

situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas, on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Munnalal Mohanlal Mali, (19 yrs) Agriculturist,  
R/o Bhaorasa, Distt: Dewas.  
2. Shri Laxminarayan S/o Ghasiram Mali (19 yrs) Agriculturist,  
R/o Baorasa, Distt : Dewas.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land.  
Khasra No. 750, Area 4-1 acres.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR  
Jaipur, the 7th January 1976

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/308.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-42 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Bhopal Singh Shekhawat S/o Shri Phool Singh for himself and natural guardian of his children (1) Chetan Singh, (2) Rajesh Kanwar (3) Mal Singh (4) Vijai Singh (5) Mahesh Kanwar.

(2) Smt. Gopal Kanwar, w/o Shri Bhopal Singh Shekhawat for herself and natural guardian of her children (1) Chetan Singh (2) Rajesh Kanwar (3) Mal Singh (4) Vijai Singh (5) Mahesh Kanwar,  
Resident of D-42, Bani Park Jaipur. (Transferor)

(2) Arun Parekh S/o Umrao Singh Parekh,  
Resident of D-1, Ganesh Marg, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

'Phool Niwas' in plot No. D-42, Hathl Babuji Marg, Bani Park, Scheme E, Jaipur more fully described in conveyance deed registered S. No. 1732 on 3.6.75 by Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7—1—1976.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61,  
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 7th January 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-1/July '75/260/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 42, H. No. 1-2A, F.P. No. 481, Plots 9 to 12 situated at Parvati, Poona-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I (Poona) on 22-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arun Waman Apte, 1957 Madiwale Colony, Sadashiv Peth, Poona-30.  
(Transferor)
- (2) Shri Apali Sahakari Griha Rachana Sanstha Marayadi,  
Chairman : Shri V. L. Mehendale,  
Secretary : Shri Y. G. Koshe,  
481, Parvati, Poona-9.  
(Transferee)

## (3) Building No. 1

- (1) Mrs. Vijaya Madhukar Apte (2) Shri Vishnu Laxman Mehendale (3) Shri Govind Kashinath Chirme (4) Mrs. Manik Prabhakar Inamdar (5) Mrs. Anuradha Manohar Joshi (6) Shri Narayan Dattatraya Phadke (7) Mrs. Vrinda Aravind Khurjekar (8) Shri Ramanlal Hiralal Zamwar (9) Shri S. C. Jathar.

## Building No. 2

- (10) Mrs. Sunandha Keshavrao Mohite (11) Mrs. Kusum Balkrishna Purandhare (12) Shri Narayan Sitaram Bhagwat (13) Mrs. Sudha Jagannath Phadke (14) Shri Subhas Madhav Thorat (15) Kum. Leela Ramkrishna Ranade (16) Shri Yeswant Gajanan Koshe (17) Mrs. Jotshna Suresh Patwardhan (18) Mrs. Subhangi Narayan Vichare.

## Building No. 3

- (19) Shri Sharad Krishnaji Modak (20) Shri Shridhar Narayan Joshi (21) Shri Vasant Purushottam Satpute (22) Shri Aniruddha Sitaram Rajawade (23) Shri Vasant Krishnaji Sugawekar (24) Shri Bhaskar Pandurang Angane (25) Shri Pandurang Sopanrao Dorje (26) Shri Anil Gopal Joshi (27) Shri Haribhau Dhondiba Bhandwalkar.

All at 481, Parvati, Poona-9.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land Survey No. 42, Hissa No. 1-2A, F.U. No. 481 Plots Nos. 9, 10, 11 and 12 and 3 Buildings constructed thereon with compound wall, pumps, tanks etc., (as described in the conveyance deed registered at No. 1627 dated 22-7-75 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 7-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Bombay-400020, the 2nd January 1976

Ref. No. AR.V/325/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 254D P. H. No. 1/6, 253A PH 3/1 and 254A P.H. No. 3 (p) CTS. No. 5893 situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-5-1975, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chimanlal Umaji Shah.

(Transferor)

(2) (1) Shri Popatlal Poonamchand Shah.  
(2) Shri Kokilaben Pratapchand Shah.  
(3) Shri Vinod Kumar Kanjibhai Patel.  
(4) Shri Nemchand Kasturchand Shah.  
(5) Shri Arvindkumar Nemchand.  
(6) Shri Babulal Wadilal Shah.

(Transferee)

M

(3) (1) Shri Lakshmben Manial.  
(2) Shri Kankumar Jagjiwan.  
(3) Shri Babubhai Sarupchand.  
(4) Shri Y. N. Tiwari.

(1) Shri Chunilal Devji.  
(2) Shri Tulsidas Hariram.  
(3) Shri Kasturbai Dharamsi.  
(4) Shri Jhaverbai Jayram.

O

(1) Shri Motiben Kuwari.  
(2) Shri Vasram Karamsi.

C

(1) Shri Mandraji Lukaji.  
(2) Shri Bhagoji Babaji Thakor.  
(3) Shri Mansabai Morarji.  
(4) Shri Saligram Sarjaprasad.

E

(1) Shri Dahyabhai Vastaji.  
(2) Shri Himmathbhai Merambhai.  
(3) Shri Labshankar Kasiram Pandya.  
(4) Shri Sankalchand K. Shah.  
(5) Shri Ramji Neevabhai.  
(6) Shri Bhawanji Jeevabhai.  
(7) Shri Madhubhai Naitottambhai Dave.

D

(1) Shri Prabhudas Muljibhai.  
(2) Shri Gangaben Naibheram Solanki.

C

(1) Shri Babubhai Dalpatbhai Taghlar.  
(2) Shri Vasantiben Vithaldas.  
(3) Shri Ramdev Rambilavan.  
(4) Shri Sonu Pandu.

H/1

(1) Shri Shashikant Ratilal.  
(2) Shri Jayantilal Ratilal.  
(3) Shri Tarachand Malokchand.  
(4) Shri Shashikant Amarchand.  
(5) Shri Jeevandas Kanji.  
(6) Shri Babulal Gopalji.  
(7) Shri Navalchand Gopalji

H/2

- (8) Shri Shyam Nanalal Kotwal.
- (9) Shri Pandit Bhagvaticharya.
- (10) Shri Jumnaben Khimji Kapadi.
- (11) Shri Shivaji Keshavji Soni.
- (12) Shri Natwarlal D. Shah.
- (13) Shri Madhavji Khatao.

F

- (1) Tulsidas Bhanji Purohit.
- (2) Shri Madhu Babaji
- (3) Shri Pandu Babaji.
- (4) Shri Debu Laxman.

B

- (1) Shri Hansraj Panchal.
- (2) Shri Chandrakant Arjan.
- (3) Shri Rajnikant Punjalal.
- (4) Shri Vasanji Dungarsi.
- (5) Shri Lakshmbai Mulji.

B

- (1) Shri Mulji Kuwarji.
- (2) Shri Lalji Bhanoji.
- (3) Shri Premji Parshottam.
- A. Monthly lease Laxmbai Harghodam.
- P. Monthly leave Kanji Virji.
- N. Monthly lease Tulasidas Hariram.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of non-agricultural land of ground formerly consisting of four piece now made into one with the measugas, tenement or dwelling house standing thereon and situate lying and being at Ghatkopar, Bombay Suburban District in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay containing by admeasurement 8619 sq. yds. i.e. 7206.35 sq. meters or thereabouts bearing agricultural survey No. 254-D, survey No. 253-A, Pot Hissa No. 1/6 survey No. 253-A pot Hissa No. 3/1 and survey No. 254-A Pot Hissa No. 3 (part) Entry No. 858 C.T.S. No. 5893 Sheet No. 2 and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under Ward Nos. "N" 184, 187, 188(1), 190 (1) 190(2), 192 Street Nos. 176-177, 178, 175, 175A, 179 Mahatma Gandhi Road Ward "N" Nos. 185, 186, 190(4), 192, (1) 192 (1A), 192(1A), 192(2), 193(2), 193(7), Street Nos. 450, 449, 448, 534, 436, 534A, 388, 389, 412 and 389C Mahatma Gandhi Road and Ward "N" No. 139(9) Street No. 389F Mahatma Gandhi Road and bound as follows that is to say on or towards the East by a Temple and partly by the Public road known as Tilak Road, on or towards the West by the public Road leading from Ghatkopar to Chembur and known as Mahatma Gandhi Road, on or towards the north by the property bearing non-agricultural survey No. 254A belonging to Khimji Nagji Kothari and on or towards the south by the property bearing Non-agricultural survey No. 253B belonging to Virji Madhavji and used as Dharamshala.

J. M. MEHRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-V, Bombay  
Ayurvedic Hospital Building,  
near Charni Road Station, Bombay-400 002.

Date : 2-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Naresh Kumar S/o Shri Madan Lal Nagpal  
r/o Abohar Mandi C/o M/s. Dhabwali Fazilka,  
Transport Co., Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ABOHAR/226/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plots situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Saroj Nagpal W/o Shri Mohan Lal Nagpal  
(Prop. of Sandeep Cinema, Abohar) r/o Fazilka,  
(Transferee)

\*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,  
(Person in occupation of the property).

\*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots Nos. 223, 225, 243 and 245 as mentioned in the Registered Deed No. 300 of May, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.  
Seal :

## FORM FINS—

(1) Shri Naresh Kumar s/o Shri Madan Lal Nagpal  
r/o Abohar Mandi C/o M/s. Dhabwali Fazilka  
Transport Co., Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Nagpal  
W/o Shri Mohan Lal Nagpal (Prop. of Sandeep  
Cinema, Abohar) r/o Fazilka.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ABOHAR/227/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots situated at Abohar Varanasi, (and more fully described in the (and more fully described in the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

26—426GI/75

\*(3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.  
(Person in occupation of the property).

\*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots Nos. 224, 226, 242 and 244 as mentioned in the Registered Deed No. 362 of May, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/228/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mohan Singh,  
Gulzar Singh and Jarnall Singh ss/o Shri Amar Singh V. Avantipura or Anaitpura Teh. and District Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Shanghai Silks  
Kashmir Road,  
Amritsar.

(Transferee)

\*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
(Person in occupation of the property).

\*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed Nos. 1467, 1468 and 2322 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/229/75-76.—Whereas, J. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd property situated at Batala Road Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Jarnail Singh s/o Shri Amar Singh R/o Batala Road, Teh. and District Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Shanghai Silk Kashmir Road, Amritsar.  
(Transferee)
- “(3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.  
(Person in occupation of the property).
- “(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of the property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1468 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar, Tehsil.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Amar Singh  
R/o Batala Road, Teh. and Dist. Amritsar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanghai Silks  
Kashmir Road,  
Amritsar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

- \* (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).
- " (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/230/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. 1/3rd property situated at Batala Road,  
Amritsar,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

1/3rd share of the property at Batala Road, Amritsar as  
mentioned in the Registered Deed No. 1467 of May, 1975 of  
the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Gulzar Singh S/o Shri Amar Singh V. Avantipura or Anaitpura Teh. and Dist. Amritsar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanghai Silks,  
Kashmir Road,  
Amritsar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,  
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Amritsar, the 9th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/231/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1/3rd property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share of the property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2322 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar Tehsil.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Singh Katarya s/o Shri Bishan Singh Katarya Kucha Aroor Mal Bhatia, Moti Bazar, Chawal Mandi, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Lal s/o Shri Banarsi Dass,  
Kt. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/232/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land No. 44 situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Plot No. 44 Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 579 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Singh s/o Shri Jit Singh  
r/o Queens Road, Amritsar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Jaspal Singh S/o Shri Jit Singh  
r/o Queens Road, Amritsar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR"(3) As at S. No 2 above and tenant(s), if any  
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property)

Amritsar, the 9th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref No ASR/232/75-76—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Property, situated at Basant Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property at Basant Avenue Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 398 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 9-1-1976

Seal ,

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/234/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 property situated at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram  
w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar  
Dass R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

(2) S/Shri Arun Kumar and Romesh Kumar ss/o Shri  
Amar Dass r/o R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferee)

\* (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,  
(Person in occupation of the property).

\* (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act,' shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

‡ property No. 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as  
mentioned in the Registered Deed Nos. 521 and 522 of May,  
1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/235/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1/4 property, situated at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

27—426 GI/75

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram  
w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar  
Dass R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar s/o Shri Amar Dass  
i/o R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferee)

\*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,  
(Person in occupation of the property).

\*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 property No. 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 522 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref No. ASR/236/75-76—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 property situated at 17 R B Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram  
w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar Dass, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri Romesh Kumar s/o Shri Amar Dass  
r/o R B Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferee)

\*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any  
(Person in occupation of the property).

\*(4) Any person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 property at 17 R. B Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 521 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

MADRAS-6, the 12th January 1976

Ref. No. IX/1/29/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3548/75) on 16-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Arcot Dhanakoti Charitable Trust represented by (1) T. N. Chandrasekaran, (2) Dr. A. C. Balaram, (3) V. V. Venkatasubramaniam & (4) Smt. Saraswathi Dhanakoti, 2/1, Brahaddambal Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s. Keyram Hotels (P) Ltd.,  
7/5, Thatha Muthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

\*(3) Postal Department  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 47 grounds and 2292 sq. ft. with building thereon situated at No. 1 (R. S. No. 355/1), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

MADRAS-6, the 12th January 1976

Ref. No. IX/3/153/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, situated at Landons Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3207/75) on 3-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. H. Tarapore,  
15, Harrington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

- (2) Shri Puranchand Gupta &  
Smt. Saraswathi Devi,  
12, Landons Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 grounds and 950 sq. ft. with building thereon situated at door No. 12, Landons Road, Madras-10 (R. S. No. 151/1).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri M. Kanagasabapathy,  
C. 158, Main Street,  
Tirunagai Madurai-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Singaram,  
4, Goodshed Street,  
Madurai-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th January 1976

Ref. No. X/10/17/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-  
NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Good Shed Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 831/75) on  
9-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following  
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3,030 sq. ft. with building thereon situated  
at door No. 4, T. S. No. 689/1, Goodshed Street, Madurai.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri V. Surender Kumar, H. No. 3-6-20 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parameshwari, H. No. Gyanbagh, Hyderabad.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1976

Ref. No. RAC. No. 227/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion No. 4 & 6 of 5-9-1111 situated at Kingh Koti, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Portion No. 4 & 6 of property bearing No. 5-9-1111 of Kingh Koti, Hyderabad comprising of 497 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1976.

Seal :

(1) Sarvshri

(i) Gobind Ram, } Partners of Haryana  
(ii) Bhagwan Dass, } Vansapati & General  
(iii) Girdhari Lal, } Mills, Village & Post Office  
(iv) Smt. Prem Lata } Kundli, District Sonapat.  
                                  } (Haryana).

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

(2) The Principal Officer, M/s. Rasoi Vanaspati & Industries Ltd. (Formerly known as Doyapore Tea Co. Ltd., 20, Sir R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building and shed on land measuring 8 acres 3 marlas situated at Govindpuri, Village & Post Office Kundli, District Sonapat (Haryana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 540 of April, 1975 of the Registering Officer, Delhi).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1976.

Seal :

V. P. MINOCHA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS—

(1) Shri Macherla Sreeramamurthy,  
S/o Ramachandrarao  
41-111 Main Road, Gandhinagar, MADRAS-20.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 278, J. No. I (VSP)9/75-76.—  
Whereas, I, B. V. Subbarao,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 14-1-38 situated at Gokhale Road Maharanipeta,  
Visakhapatnam,  
(and more fully described in  
the schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Visakhapatnam on 30-4-1975  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
'said Act' in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act'  
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule property as per the document No. 1789/75  
of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight  
ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mocherla Sreeramamurthy,  
S/o Ramachandrarao  
14-111, Main Road, Gandhinagar, MADRAS-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 279 J. No. 1(VSP)10/75-76.—  
Whereas, I. B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-1-38 situated at Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 30-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

28—426GI/75

(2) Shri Raja Sagi Seetharamaraju  
S/o Sri Butchi Venkatagopalaraju  
Tangedu, Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per the document No. 1790/75 of the S. R. O. Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 15-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mocherla Sreeramamurthy,  
S/o Ramachandrarao  
41-III, Main Road, Gandhinagar, Madras-20.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raja Sagi Ramabhadraraju  
S/o Satyanarayanaraju,  
Tangedu Village, Vigaz Dist.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 280 J. No. I (VSP)/10/75-76.—

Whereas, I, B. V. Subbarao,  
being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 14-1-38 situated at Gokhale Road, Maharani-peta,  
Visakhapatnam,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Visakhapatnam on 30-4-1975  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per the document No. 1791/75  
of the S. R. O., Visakhapatnam registered during the fort-  
night ended on 30-4-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 281 J, No. KR/15/GDV/4-75.—

Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43-1, 43/2-A and 44/2-A situated at Total land 15—52 cents at Oddula Meraka village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiwada on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Gadireddy Jagannadharaju  
Door No. 8-5-23, Safdarjung Enclave, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Veerla Anjeswararao, S/o Raghavaiah,  
Oddula Meraka Village Gudiwada Taluk, Krishna District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1228/75 of the S. R. O., Gudiwada registered during the fortnight ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Damara Rambabu  
S/o Varahalu, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Merla Satyanarayanamma  
W/o Krishnamurthy, Kakinada.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 282 J. No. I(20)/EG/75-76.—  
Whereas, I, B. V. Subbarao,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
No. Survey No. 306-3, 306-4, 307-2, 313-1, 313-3, 313-2,  
315-11, 315-12 and 315-13 (Land 12-35) situated at Atchuta-  
puratrayam village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of  
the Registering Officer  
at Kakinada on 15-4-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2159/75 re-  
gistered before the S.R.O. Kakinada during the fortnight  
ended 15-4-1975.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-12-1975.  
Seal :

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.